भाद्रपद कृष्ण - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 22 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 13-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 खेल विधेयक से ठहराव दूर होगा, प्रशासन में पारदर्शिता आएगी : पीटी ऊषा

6 टूटी छतों और दीवारों के बीच कैसे पलेगी शिक्षा की नींव?

7 अब अच्छी फिल्में बनाना बहुत मुश्किल है : जैकी चैन

फर्स्ट टेक

हमले की योजना बना रहे आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ : पंजाब पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को दावा किया कि उसने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस' (आईएसआई) समर्थित 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' (बीकेआई) के आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए राजस्थान से तीन नाबालिगों सहित पांच लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक व्यक्ति बाद में हुई कार्रवाई के दौरान पुलिस के साथ गोलीबारी में घायल हो गया। उसने बताया कि इन संदिग्धों को उनके आकाओं ने स्वतंत्रता दिवस से पहले ग्रेनेड हमले करने की जिम्मा सौंपा था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि 'काउंटर इंटेलिजेंस' (सीआई) जालंधर ने शहीद भगत सिंह (एसबीएस) नगर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में राजस्थान के टोंक और जयपुर जिलों से तीन किशोरों सहित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी मॉड्यूल के पांच गुर्गों को गिरफ्तार किया।

ईडी ने सहारा समूह के खिलाफ मामले में नए सिरे से की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। सहारा समूह के खिलाफ धन शोधन जांच के सिलसिले में कई राज्यों में नए सिरे से छापेमारी की गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद व लखनऊ, राजस्थान के श्रीगंगानगर और मुंबई में स्थित कुल नौ परिसरों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत सोमवार को छापे मारे गए। संघीय जांच एजेंसी ने बयान में कहा, '' जिन संस्थाओं में छापे मारे गए वे सहारा समूह की संस्थाओं के साथ विभिन्न भूमि और शेयर लेनदेन से संबंधित थीं।''

जून में हुए युद्ध के दौरान 21,000 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था : ईरान

तेहरान/एपी। ईरान पुलिस ने जून में इजराइल के साथ 12 दिनों तक चले हवाई युद्ध के दौरान 21,000 संदिग्धों को हिरासत में लिया था। सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकारी टीवी की एक खबर में पुलिस प्रवक्ता जनरल सईद मोंताजेरलमहदी के हवाले से बताया गया कि लोगों ने संदिग्धों की सूचना अधिकारियों को दी थी। उन्होंने बताया, 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान 21,000 संदिग्धों की गिरफ्तारी सुरक्षा प्रदान करने में लोगों की उच्च जागरूकता और भागीदारी को दर्शाती है।

13-08-2025 सूर्यास्त 6:31 बजे | 14-08-2025 सूर्योदय 5:56 बजे

BSE	NSE
80,235.59	24,487.40
(-368.48)	(-232.85)

सोना	चांदी
10,637 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आँख मिलाओ

यह भेदभाव है व्यक्ति परक,
क्यों कोस रहे हम वर्णों का।
झांको अपने भीतर पहले,
देखो विस्तीर्ण विकर्णों को।
जिनके कारण सब बँटे हुए,
लाओ उन सभी प्रकरणों को।
जो रहे उपेक्षित सचमुच ही,
सम्मान मिले उन कर्णों को।।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है भारत : प्रधानमंत्री मोदी

आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पंजाब में सेमीकंडक्टर इकाइयों को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी देने का निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और अपने डिजिटल भविष्य को सशक्त बनाने तथा वैश्विक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत तंत्र का निर्माण कर रहा है।

मोदी ने यह बात तीन राज्यों में सेमीकंडक्टर इकाइयों को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद कही। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज मंत्रिमंडल द्वारा आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पंजाब में सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी देने का जो निर्णय लिया गया है, वह निर्माण क्षमता को बढ़ावा देगा, उच्च-कुशल नौकरियों का सृजन करेगा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में कुल 4,594 करोड़ रुपये के निवेश से चार सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की स्थापना को मंजूरी दी।

कैबिनेट ने अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में 700 मेगावाट के टाटो-दो जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए 8,146.21 करोड़ रुपये के निवेश को भी मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''शी योमी जिले में टाटो-दो जलविद्युत परियोजना के लिए निधि मंजूरी पर अरुणाचल प्रदेश के मेरे भाइयों और बहनों को बधाई। यह एक महत्वपूर्ण परियोजना है और राज्य के विकास पथ को गति देगी।''

मोदी और उज्बेक राष्ट्रपति ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और इस दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का टेलीफोन आया था। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति ने भारत के आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री और भारत की जनता को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, संपर्क, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक विषयों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और भारत तथा मध्य एशिया के बीच सदियों पुराने संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।

भारत और चीन के बीच जल्द ही उड़ान सेवाएं फिर से शुरू होने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन के बीच प्रत्यक्ष उड़ान सेवाएं जल्द फिर से शुरू करने को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत अग्रिम चरण में है। मामले से जुड़े लोगों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस महीने के अंत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के तिआनजिन शहर जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। भारत और अमेरिका के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने को लेकर उत्पन्न कुछ तनाव के बीच दो एशियाई शक्तियों के बीच उड़ान सेवाएं फिर शुरू करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। मामले के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि भारत और चीन चार सीमा पार पारगमन बिंदुओं के माध्यम से व्यापार को फिर से शुरू करने के लिए सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान सेवाएं 2020 में कोविड-19 महामारी के चलते निलंबित कर दी गई थीं।

भारत विश्व का कल्याण चाहने वाला देश : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत हमेशा से ही विश्व का कल्याण चाहने वाला देश है और यहां के वेदों में सभी शास्त्र निहित हैं।

डॉ. भागवत ने मंगलवार को राजस्थान के सीकर जिले में स्थित श्री जानकीनाथ बड़ा मंदिर, रैवासा धाम में ब्रह्मलीन पूज्य रेवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित 'श्री सियपिय मिलन समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी राघवाचार्य की तीन फुट ऊंची संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण और नव-निर्मित गुरुकुल भवन का लोकार्पण भी किया।

सरसंघचालक ने कहा कि इतिहास ने भी जब आंखें नहीं खोली थीं, तब से विश्व को सत्य, धर्म और आध्यात्म का मार्ग दिखाने तथा मानवता के कल्याण का कार्य भारतवर्ष और भारत का हिंदू समाज कर रहा है। डॉ. भागवत ने कहा कि भारत के स्वतंत्र होने के बाद लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि यहां प्रजातंत्र चल ही नहीं सकता, लेकिन प्रजातंत्र चला भी और जब इस पर संकट आया तो लोगों ने उसका प्रतिकार करके प्रजातंत्र को कायम रखा है। उन्होंने कहा कि आज भारत आश्चर्यजनक रूप से प्रजातांत्रिक देश होने के नाते प्रजातंत्र के मामले में सारी दुनिया से आगे है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जिसने सदैव विश्व कल्याण के लिए प्रयास किया है और अब विश्व स्तर पर अपना उचित स्थान बना रहा है।

डॉ. भागवत ने राघवाचार्य जी का स्मरण करते हुए कहा, मेरा उनसे संबंध सरसंघचालक बनने के बाद ही हुआ। पहली भेंट में मेरे मन में दो बातें आईं पहली, उनके हृदय में सभी के लिए स्नेह था, और दूसरी, वे सभी को आत्मीय भाव से देखते थे।

संसद ने दी छह दशक पुराने कानून को बदलने के लिए

नए आयकर विधेयक को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- विधेयक में मौजूदा कानून के अनावश्यक प्रावधानों और पुरानी भाषा को हटा दिया गया है और 1961 के आयकर अधिनियम में धाराओं की संख्या 819 से घटाकर 536 और अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी गयी है।
- नए आयकर विधेयक में शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है।

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को बदलने के लिए मंगलवार को नए आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी। नया कानून एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा।

राज्यसभा में आयकर विधेयक, 2025 पर हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा इसमें कर की कोई नई दर नहीं है और इसमें सिर्फ भाषा को सरल बनाया गया है, ताकि जटिल आयकर कानून को समझने में आसानी हो।

विधेयक में मौजूदा कानून के अनावश्यक प्रावधानों और पुरानी भाषा को हटा दिया गया है और 1961 के आयकर अधिनियम में धाराओं की संख्या 819 से घटाकर 536 और अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी गयी है।

नए आयकर विधेयक में शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है। विपक्षी सदस्यों की अनुपस्थिति के बीच सीतारमण ने कहा, ''ये बदलाव केवल सतही नहीं हैं; ये कर प्रशासन के प्रति नए व सरलीकृत दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। यह अधिक संक्षिप्त और अधिक केंद्रित कानून है, जिसे पढ़ने, समझने और लागू करने में आसानी होगी।''

राज्यसभा ने आयकर विधेयक, 2025 के साथ ही कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2025 को भी चर्चा एवं वित्त मंत्री के जवाब के बाद लोकसभा को लौटा दिया। लोकसभा ने सोमवार को दोनों विधेयकों को मंजूरी दी थी।

वित्त मंत्री ने कहा, ''किसी भी भ्रम को दूर करने के लिए, मैं कहना चाहती हूं कि इस नए कानून को लाने का उद्देश्य भाषा को सरल और स्पष्ट बनाना है।''

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट निर्देश था कि कोविड हो या न हो, लोगों पर कर का बोझ नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सुनवाई में उच्चतम न्यायालय ने कहा

मतदाता सूची में नागरिकों को शामिल करना, बाहर करना निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग के इस निर्णय से सहमति जताई कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा और कहा कि इसके समर्थन में अन्य दस्तावेज भी होने चाहिए।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि मतदाता सूची में नागरिकों या गैर-नागरिकों को शामिल करना या बाहर करना निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में है तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में आधार, मतदाता कार्ड को स्वीकार नहीं करने के उसके रुख का समर्थन किया।

संसद के अंदर और बाहर एसआईआर पर बढ़ते घमासान के बीच, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि विवाद ''मोटे तौर पर विश्वास की कमी का मामला'' प्रतीत होता है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने दावा किया कि कुल 7.9 करोड़ मतदाताओं में से करीब 6.5 करोड़ लोगों को कोई दस्तावेज दाखिल करने की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि वे या उनके माता-पिता 2003 की मतदाता सूची में शामिल थे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करते हुए यह टिप्पणी की।

एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी द्वारा निर्वाचन आयोग पर एसआईआर में पांच करोड़ लोगों के अनुमानित रूप से नाम काटने'' का आरोप लगाने के बाद, पीठ ने संकेत दिया कि अगर उसे कुछ भी संदिग्ध लगता है, तो वह उन सभी को मतदाता सूची में शामिल करने का निर्देश दे सकती है। याचिकाएं दायर करने वालों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता भी शामिल हैं।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं से तीखे सवाल पूछे और कहा कि किसी जीवित व्यक्ति को मृत या मृत व्यक्ति को जीवित घोषित करने में, अनजाने में हुई किसी भी त्रुटि को सुधारा जा सकता है।

पीठ ने सिंघवी से कहा, ''नागरिकता देने या छीनने का कानून संसद द्वारा पारित किया जाता है, लेकिन नागरिकों और गैर-नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना और बाहर करना निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।''

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग के इस निर्णय से सहमति जताई कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा और कहा कि इसके समर्थन में अन्य दस्तावेज भी होने चाहिए। पीठ ने सिंघवी से कहा, ''निर्वाचन आयोग का यह कहना सही है कि आधार को नागरिकता के निर्णायक सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसे सत्यापित करना होगा।

पाकिस्तान की युद्ध की धमकी पर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा-

ब्रह्मोस और 'सुनामी' से जवाब देगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अभिनेता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी की सिंधु जल संधि पर टिप्पणी पर मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और चेतावनी दी कि भारत ब्रह्मोस मिसाइलों से जवाब देगा।

चक्रवर्ती ने तीखे पलटवार में यह भी कहा कि एक बांध बनाया जाएगा, और 140 करोड़ भारतीय वहां शौच करेंगे, उसके बाद बांध को खोलकर पड़ोसी देश में सुनामी ला दी जाएगी।

हालांकि, चक्रवर्ती ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के आम लोगों के खिलाफ उनकी कोई नाराजगी नहीं है, जो शांतिप्रिय हैं और युद्ध नहीं चाहते तथा उनका गुस्सा केवल पाकिस्तानी प्रतिष्ठान पर है।

बिलावल ने सोमवार को सिंधी संत शाह अब्दुल लतीफ भिटाई की दरगाह पर तीन-दिवसीय वार्षिक उत्सव के समापन समारोह में कहा, अगर युद्ध हुआ... हम मोदी सरकार को संदेश देंगे कि हम पीछे नहीं हटेंगे, हम झुकेंगे नहीं और अगर आपने सिंधु नदी पर हमला करने की हिम्मत की तो पाकिस्तान के हर प्रांत के लोग आपका मुकाबला करने के लिए तैयार रहेंगे।

जब पत्रकारों ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी तो चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिमी पड़ोसी देश में युद्ध की वकालत करने वालों को किसी भी दुस्साहस का परिणाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि पाकिस्तान के लोग युद्ध नहीं चाहते। लेकिन अगर इस तरह की बातें और बयानबाजी जारी रही और हम अपना संयम खो बैठे, तो हम उन पर हमला करने के लिए एक के बाद एक ब्रह्मोस मिसाइलें दागेंगे।

पाकिस्तान सरकार की सिंधु नदी पर भारत द्वारा बनाए जाने वाले किसी भी बांध पर सैन्य हमले की धमकी के बारे में पूछे जाने पर, चक्रवर्ती ने कहा, हम एक ऐसा बांध बनाएंगे, जहां हमारे 140 करोड़ लोग शौच करेंगे। और एक बार बांध खुल गया, तो बिना एक भी गोली चले सुनामी आ जाएगी। मैं यह कहने के लिए क्षमा चाहता हूं। ये शब्द केवल उनके (भुट्टो के) लिए हैं, पाकिस्तान के लोगों के लिए नहीं।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की सरकार की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने मंगलवार को संसद को बताया कि केंद्र सरकार की गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए कोई कानून बनाने की योजना नहीं है। वरिष्ठ भाजपा नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बघेल ने कहा, नहीं। संविधान के अनुच्छेद 246(3) के अनुसार, केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों के वितरण के अंतर्गत, पशुओं का संरक्षण एक ऐसा मामला है जिस पर राज्य विधानमंडल को कानून बनाने का विशेष अधिकार है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार गायों के संवर्धन, संरक्षण और पालन-पोषण के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई पहलों को समर्थन देने और उन्हें सुदृढ़ करने के लिए दिसंबर 2014 से राष्ट्रीय गोकुल मिशन संचालित कर रही है।

राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के आरोपों को दोहराते हुए कहा

अभी पिक्चर बाकी है...

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर ''एक व्यक्ति, एक वोट'' के सिद्धांत को लागू करने का अपना कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगाया और मतदाता सूची में अनियमितताओं के दावों की ओर इशारा करते हुए कहा, ''अभी पिक्चर बाकी है।''

पार्टी सूत्रों ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 24, अकबर रोड स्थित कार्यालय में कांग्रेस महासचिवों, प्रभारियों और अनुषंगी संगठनों के प्रमुखों की बैठक में गांधी के कहा कि कांग्रेस ने ''महादेवपुरा जैसी वोट चोरी'' के कारण कम से कम 48 लोकसभा सीट पर हार का सामना किया।'' उन्होंने बताया कि पार्टी निकट भविष्य में अन्य सीट पर भी 'वोट चोरी' के बारे में कई और खुलासे कर सकती है।

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा करने का कार्य कर रही है और वह ऐसा करना जारी रखेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कहा, ''यह सिर्फ एक सीट की बात नहीं है (जहां 'वोट चोरी' हो रही है), बल्कि कई सीट की बात है। यह राष्ट्रीय स्तर पर और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग जानता है और हम भी जानते हैं।''

गांधी ने कहा, ''पहले सबूत नहीं था, लेकिन अब है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। 'एक व्यक्ति, एक वोट' संविधान की नींव है और इसे लागू करना चुनाव आयोग का कर्तव्य है और उन्होंने अपना कर्तव्य नहीं निभाया। इसलिए हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं और करते रहेंगे। हम रुकेंगे नहीं।''

बिहार की मतदाता सूची में कथित तौर पर दर्ज 124 वर्षीय मिंता देवी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, ''ऐसे अनगिनत मामले हैं। अभी पिक्चर बाकी है।''

गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार सहित विपक्षी सांसदों ने सोमवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ संसद भवन से निर्वाचन आयोग कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और नाटकीय घटनाक्रम के बीच कुछ देर के लिए हिरासत में ले लिया। बाद में सांसदों को रिहा कर दिया गया।

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े ने भुवनेश्वर स्थित कलिंगा शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया

संस्थान द्वारा आदिवासी समुदाय को दी जा रही सेवाओं को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। केंद्रीय मानव संसाधन विभाग के अंतर्गत आने वाले कलिंगा सामाजिक विज्ञान संस्थान(केआईएसएस), कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान(केआईआईटी) और कलिंगा आयुर्विज्ञान संस्थान के दो दिवसीय दौरे पर आए न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े ने इस शैक्षणिक संस्थान के कामकाज की सराहना की, जो अपनी मानवता के लिए जाना जाता है और भोजन, शिक्षा, आवास और खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है।

उन्होंने आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों के साथ घुलमिलकर उनके कौशल के बारे में जानकारी ली। ज्ञातव्य है कि शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख अच्युत सामंत 34 वर्षों से गरीब आदिवासी समुदाय के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा, भोजन, आवास और स्वास्थ्य के लिए किट, केआईएस, केआईएमएस योजना का क्रियान्वयन कर रहे हैं। लगभग 1 लाख छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने वाले अच्युत सामंत की उपलब्धि को पूरी दुनिया देख रही है और सराह रही है। केआईएस को वर्ष 2015 से संयुक्त राष्ट्र लोक सूचना विभाग (यूएनडीपीआई) का एक सहयोगी संगठन आर्थिक और सामाजिक परिषद द्वारा विशेष परामर्शदात्री का दर्जा दिया गया है। संस्थान की अगले 10 वर्षों में 2 लाख आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने की महत्वाकांक्षी योजना है और संस्थान ने 10 जिलों में शाखाएं खोली हैं। न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े ने कहा कि ओडिशा के सभी 30 जिलों में शाखाएं खोलना अच्छी पहल है।

‘आतंकवादी देश’ पाकिस्तान ने अगर भारतीयों पर हमला किया तो उसे ‘भारी कीमत’ चुकानी होगी : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन महादेव और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान की ‘नृशंसता’ का बदला लिया है और अगर ‘आतंकवादी देश’ ने भारतीय नागरिकों का खून बहाया तो उसे ‘बहुत भारी कीमत’ चुकानी होगी।

सिन्हा 79वें स्वतंत्रता दिवस से पहले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा आयोजित ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लिए साइकिल चलाओ’ रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर रैली में भाग लेने वाले 79 साइकिल चालकों (40 स्थानीय युवाओं और 39 बीएसएफ जवानों) को सम्मानित भी किया। इससे पहले, उपराज्यपाल ने डल झील से ‘तिरंगा यात्रा’ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वह स्वयं झील से बॉटनिकल गार्डन तक यात्रा में शामिल हुए। सिन्हा ने इस साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए ‘‘पाकिस्तान प्रायोजित’’ आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ऑपरेशन महादेव और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से ‘‘हमने पाकिस्तान की नृशंसता का बदला ले लिया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, यदि आतंकवादी देश पाकिस्तान हमारे नागरिकों का खून बहाएगा तो उसे बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उपराज्यपाल ने ऑपरेशन महादेव में शामिल सशस्त्र बलों और जम्मू कश्मीर पुलिस के बहादुर जवानों और अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा, उन्होंने

पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले का बदला लिया और राष्ट्र की गरिमा की रक्षा की।

सिन्हा ने लोगों से शांति और सामाजिक सद्भाव को बाधित करने की कोशिश कर रहे विभाजनकारी तत्वों के प्रति सतर्क और सावधान रहने की भी अपील की। सुरक्षाबलों ने पहलगाम हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के तीन वरिष्ठ कमांडरों को 28 जुलाई को श्रीनगर के बाहरी इलाके में ‘ऑपरेशन महादेव’के तहत मुठभेड़ में मार गिराया था। पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। इसके जवाब में भारत ने छह मई की देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकियों के नौ ठिकानों को निशाना बनाया था। उपराज्यपाल ने देश की प्रथम रक्षा पंक्ति बीएसएफ को उन बहादुर सैनिकों और अधिकारियों को उचित श्रद्धांजलि देने के लिए बधाई दी, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अविश्वसनीय वीरता, साहस का प्रदर्शन करते हुए बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह रैली युवाओं को बीएसएफ, सेना और पुलिस में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी। सिन्हा ने कहा, कई कस्बों और गांवों से गुजरते हुए इस रैली ने युवा पीढ़ी को प्रेरित किया और उन्हें हमारे संस्थापकों के दृष्टिकोण और निस्वार्थ सेवा के उनके आदर्शों की याद दिलाई। जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक नागरिक का यह परम कर्तव्य है कि वह उस मार्ग पर चले और अपने सपनों का जम्मू-कश्मीर बनाए। उन्होंने कहा, कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है। 140 करोड़ भारतीयों के दिल और आत्मा एक हैं और हम 140 करोड़ सदस्यों का एक बड़ा परिवार हैं।

तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने उन पुरखों और वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने तिरंगे को उसकी पूरी शान के साथ ऊंचा रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कारगिल युद्ध के नायकों को सम्मानित किया तथा जम्मू कश्मीर के शहीदों के सम्मान में लिखे विशेष लेख को भी जारी किया। उपराज्यपाल ने कहा कि देश की सेवा के लिए भारत में दोबारा जन्म लेना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी।

उन्होंने कहा, तिरंगा मेरा धर्म है, मेरी शक्ति है और मेरी धड़कन है। कर्तव्य की खातिर, हम इस पवित्र भूमि पर बार-बार जन्म लें।

हिमाचल में बारिश के कारण 398 सड़कें बंद, शिमला में पेड़ उखड़ने से वाहनों को नुकसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश के कारण भूस्खलन हो गया और पेड़ उखड़ जाने से तीन राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) सहित 398 सड़कें यातायात के लिए बंद हो गईं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि राजधानी शिमला में पेड़ उखड़कर गिर जाने से तीन-चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। टूटीकंडी इलाके में कई पेड़ गिर गए, जबकि विकास नगर में एक पेड़ के गिरने से एक इमारत की छत क्षतिग्रस्त हो गई। राज्य में कुल 398 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इन सड़कों में एनएच-305 का हिस्सा औट-सैंज सड़क, खाब से ग्रामफू (एनएच-505) और

हाटकोटी से पांवटा साहिब (एनएच-707) शामिल हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, इनमें से 213 सड़कें मंडी जिले में और 85 कुल्लू जिले से लगी सड़कें हैं। चंबा-पठानकोट राजमार्ग दुनेरा के पास धंस गया, जिसके कारण सड़क बंद हो गई। स्थानीय मौसम कार्यालय ने बुधवार और बृहस्पतिवार को पांच जिलों - बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर - में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ‘ऑरेंज अलर्ट’ जारी किया है। राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रही। नगरोटा सूरियां में 180.2 मिलीमीटर बारिश हुई, गुलेर में 161.2 मिलीमीटर, घमरूर में 112.2 मिलीमीटर, नादौन में 78.5 मिलीमीटर, देहरा गोपीपुर में 76.2 मिलीमीटर, जोगिंद्रनगर में 74 मिलीमीटर, कांगड़ा में 73.8 मिलीमीटर, भरेरी में 70.2 मिलीमीटर, पालमपुर में 69 मिलीमीटर, सुजानपुर टीरा में 66 मिलीमीटर, शिलारू में 54 मिलीमीटर, नेरी में 48.5 मिलीमीटर, शिमला में 45.6 मिलीमीटर और धर्मशाला में 42.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

एसईओसी ने बताया कि इस वर्ष मानसून ऋतु में अब तक वर्षाजनित घटनाओं में 119 लोगों की मौत हुई है और 36 लोग लापता हैं। इसके अलावा, 669 पावर ट्रांसफार्मर और 529 जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई हैं। राज्य में 20 जून को मॉनसून ने दस्तक दी थी और अब तक राज्य में 2007 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस दौरान अचानक आई बाढ़ की 58 घटना, बादल फटने की 30 घटनाएं और भूस्खलन की 54 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

प्रियंका गांधी ने फलस्तीन पर भारत सरकार की चुप्पी की आलोचना की, राजदूत ने पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को कहा कि इजराइल ‘‘नरसंहार’’ कर रहा है और भारत सरकार फलस्तीन के लोगों पर इजराइल द्वारा ‘‘बरपाए जा रहे कहर पर चुप’’ है। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने कहा, शर्मनाक बात आपका ढकोसला है।

इजराइल ने 25,000 हमास आतंकवादियों को मार गिराया। मानव जीवन की भयानक क्षति का कारण हमास की घृणित रणनीतियां हैं जिनमें नागरिकों के पीछे छिपना, बाहर निकलने या सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोली चलाना, और रॉकेट दागना। अजार ने प्रियंका गांधी के पोस्ट को टैग करते हुए ‘एक्स’ पर कहा, इज़राइल ने गाज़ा में 20 लाख टन भोजन पहुंचाया, जबकि हमास उसे ज़ब्त करने की कोशिश कर रहा है, जिससे भुखमरी पैदा हो रही है। पिछले 50 साल में गाज़ा की आबादी 450 प्रतिशत बढ़ी है, लेकिन वहां कोई नरसंहार नहीं हुआ। हमास के आंकड़ों पर यकीन मत कीजिए। कांग्रेस ने इजराइली राजदूत की टिप्पणी को ‘‘अस्वीकार्य’’ बताया और प्रियंका गांधी की ओर से व्यक्त ‘‘दर्द एवं पीड़ा’’ के जवाब में उनके द्वारा इस्तेमाल किए शब्दों की निंदा की। प्रियंका गांधी ने कहा कि इजराइल गाजा में ‘‘नरसंहार कर रहा है’’ और ‘‘60,000 से अधिक लोगों की हत्या कर चुका है, जिनमें से 18,430 बच्चे थे। उन्होंने ‘एक्स’ पर कहा, इसने कई बच्चों समेत सैकड़ों लोगों को भूखा रखकर मार दिया है और अब लाखों को भूखा मारने की धमकी दे रहा है।

राहुल गांधी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है : विजयवर्गीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ‘वोट चोरी’ के आरोप पर मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि अपनी पार्टी की सिलसिलेवार चुनावी हार के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है।

गांधी कथित वोट चोरी के खिलाफ अपने अभियान के तहत चुनावों में धांधलियों का आरोप लगा रहे हैं। गांधी के ‘वोट चोरी’ के आरोप पर विजयवर्गीय ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, भारत में होने वाले निष्पक्ष चुनावों की पूरी दुनिया सराहना करती है, लेकिन चुनाव हारते-हारते राहुल गांधी थक गए हैं। इसलिए उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और वह इस प्रकार के बयान दे रहे हैं। मुझे लगता है कि एक स्वस्थ मस्तिष्क का व्यक्ति इस तरह के बयान देने की हरकत नहीं कर सकता। उन्होंने दावा किया कि पिछले 13 वर्षों में कांग्रेस 27 चुनाव हार चुकी है। विजयवर्गीय ने कहा, राहुल गांधी कांग्रेस के नेतृत्व की कोई जिम्मेदारी तय नहीं करना चाहते और अपनी पार्टी की सिलसिलेवार पराजय का ठीकरा निर्वाचन आयोग पर फोड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि उन्होंने स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसा ‘गैर जिम्मेदार विपक्ष’ पहली बार देखा है जो बेबुनियाद आरोप लगाकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को बदनाम कर रहा है।

डीजीसीए ने पायलटों से प्रशिक्षण में खामियों के लिए इंडिगो को नोटिस भेजा

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। विमानन नियामक डीजीसीए ने लगभग 1,700 पायलटों के ‘सिम्युलेटर’ प्रशिक्षण में कथित खामियों के लिए इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। ‘सिम्युलेटर’ प्रशिक्षण में सीखने और कौशल विकास के लिए वास्तविक दुनिया की स्थितियों और कार्यों जैसा वातावरण कंप्यूटर की मदद से ‘ऑनलाइन’ तैयार किया जाता है।

सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि पिछले महीने एयरलाइन से मिले रिकॉर्ड और जवाबों की जांच के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इंडिगो की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पाया कि 1,700 पायलटों के लिए श्रेणी सी या महत्वपूर्ण हवाई क्षेत्र प्रशिक्षण अयोग्य सिम्युलेटरों के साथ आयोजित किए गए। इनमें कमांड पायलट और प्रथम अधिकारी का प्रशिक्षण शामिल है। नियामक ने पाया कि जिन सिम्युलेटरों पर लगभग 1,700 पायलटों ने अपना प्रशिक्षण लिया, वे कालीकट, लेह और काठमांडू जैसे कुछ हवाई अड्डों पर संचालन के लिए योग्य नहीं थे।

भारतीय फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स पर अमेरिका ने नहीं लगाया है कोई अतिरिक्त शुल्क : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को संसद में कहा कि फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में अमेरिका को भारत से किए जाने वाले निर्यात पर अब तक कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाया गया है।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत की दर से पारस्परिक टैरिफ (शुल्क) लगाया गया है, जो सात अगस्त से प्रभावी है। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के तहत अमेरिका को भारत से निर्यात किए जाने

वाले कुल माल का लगभग 55 प्रतिशत इस पारस्परिक टैरिफ के अधीन है। उन्होंने बताया कि भारत से निर्यात किए जाने वाले कुछ माल पर 27 अगस्त से 25 प्रतिशत का अतिरिक्त मूल्यानुसार शुल्क लगाया गया है। प्रसाद ने सदन को बताया, अब तक फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में अमेरिका को भारत से किए जाने वाले निर्यात पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक शुल्कों के प्रभाव के आकलन पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए निर्यातकों और उद्योग सहित सभी हितधारकों के साथ बातचीत कर रही है।

प्रसाद ने बताया, सरकार किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, निर्यातकों, एमएसएमई और उद्योग के सभी वर्गों के कल्याण की रक्षा और संवर्धन को सर्वोच्च महत्व देती है। उन्होंने बताया कि भारत, अमेरिका के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा में शामिल है, जिसका उद्देश्य टैरिफ स्थिरता और दीर्घकालिक व्यापार पूर्वानुमान के माध्यम से व्यापार और निवेश का विस्तार करना है। मार्च 2025 से बातचीत चल रही है और अब तक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है। पिछली वार्ता 14 से 18 जुलाई तक वाशिंगटन में हुई थी।

हैदराबाद में फर्जी ‘सरोगेसी’ और बाल तस्करी गिरोह संचालित करने के आरोप में 25 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पिछले महीने फर्जी ‘सरोगेसी’ (किराए की कोख) और बाल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करने के बाद अबतक चिकित्सकों सहित 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गोपालपुरम पुलिस थाना में 27 जुलाई को दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर, मुख्य आरोपी चिकित्सक और एक फर्टिलिटी क्लीनिक की मालिक डॉ. ए नम्रता और उनके सहयोगियों सहित आठ लोगों को पहले ही फर्जी ‘सरोगेसी’ दावों के साथ एक जोड़े को ‘धोखा’ देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक शिकायत की जांच से धोखाधड़ी के व्यापक नेटवर्क का खुलासा, जिसमें कई पीड़ित धोखाधड़ी, संगठित चिकित्सा धोखाधड़ी और बाल तस्करी के समान आरोपों के साथ सामने आए। उसने बताया कि नम्रता और उसके सहयोगियों के खिलाफ आठ और आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (उत्तरी क्षेत्र-हैदराबाद) एस रश्मि पेरुमल ने बताया कि उन पर प्रजनन सेवाओं की आड़ में संगठित आपराधिक नेटवर्क चलाने और नि:संतान दंपतियों का भावनात्मक और आर्थिक रूप से शोषण करने का आरोप है।

कबाड़ पर अधिक जीएसटी से देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान: सीएसई अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ठोस कचरे के प्रबंधन पर लागू 18 प्रतिशत जीएसटी को घटाने की सिफारिश करते हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि इससे सरकार को सालाना करीब 65,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। साथ ही इससे कबाड़ का पर्यावरण अनुकूल तरीके से प्रबंधन भी प्रभावित हो रहा है।

शोध संस्थान ‘सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट’ (सीएसई) की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट कहती है कि कबाड़ खरीदने-बेचने वाले छोटे कारोबारी 18 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का बोझ नहीं उठा सकते हैं लिहाजा वे नकद में लेनदेन करते हैं और कर नहीं चुकाते हैं। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, इससे न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान होता है बल्कि कर चुकाने वाले संगठित कारोबारियों के लिए असंगठित कारोबारियों से प्रतिस्पर्धा कर पाना मुश्किल हो जाता है।

रिपोर्ट कहती है कि कबाड़ कारोबार में असंगठित क्षेत्र के इस दबदबे से सालाना करीब 65,000 करोड़ रुपए का जीएसटी नुकसान होता है, जो वर्ष 2035 तक बढ़कर 86,700 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, धातु, प्लास्टिक, ई-कचरा और औद्योगिक उप-उत्पादों पर समान रूप से 18 प्रतिशत कर लगाने से अपशिष्ट पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) को बढ़ावा देने के प्रयास कमजोर पड़ते हैं।

सरकार ने दिवाला कानून में संशोधन के लिए लोकसभा में विधेयक पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाला कानून में संशोधन के लिए मंगलवार को लोकसभा में एक विधेयक पेश किया। विधेयक को पेश किए जाने के बाद, मंत्री के अनुरोध पर दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 को सदन की प्रवर समिति को भेज दिया गया।

सीतारमण ने कहा कि समिति संसद के अगले सत्र के प्रथम दिन अपनी रिपोर्ट पेश कर सकती है।

दिवाला कानून का क्रियान्वयन कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। इस मंत्रालय का प्रभार भी सीतारमण के ही पास है।

वर्ष 2016 में पेश की गई इस संहिता में इसके लागू होने के बाद से छह विधायी संशोधन हो चुके हैं और आखिरी बार 2021 में संशोधन किया गया था।

एसआईआर मुद्दे पर लोकसभा में विपक्ष की नारेबाजी के बीच दो विधेयक पारित, कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच दो विधेयक पारित किए गए और सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, वहीं विपक्षी सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर एसआईआर मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे।

शोर-शराबे के बीच ही अध्यक्ष ने प्रश्नकाल चलाने का प्रयास किया, लेकिन विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रहने पर उन्होंने कुछ ही मिनट बाद कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही पुन: शुरू होने पर बिरला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाली समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और विधिवेत्ता बी वी आचार्य शामिल होंगे। इसके बाद, आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए गए। इसी दौरान विपक्ष के सदस्यों ने एसआईआर मुद्दे पर हंगामा शुरू कर दिया।

पीठासीन सभापति संध्या राय ने शून्यकाल शुरू कराने का प्रयास किया, लेकिन हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने कार्यवाही दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर अपराह्न तीन बजे तक स्थगित कर दी। अपराह्न तीन बजे सदन की कार्यवाही फिर शुरू होने पर विपक्ष के हंगामे के बीच भारतीय पत्तन विधेयक, 2025 को संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। सरकार ने गत 28 मार्च को यह विधेयक सदन में पेश किया था।

यह प्रस्तावित कानून 1908 के अधिनियम की जगह लेगा और इसके तहत एक समुद्री राज्य विकास परिषद (एमएसडीसी) की स्थापना की जाएगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को फरवरी में मंजूरी प्रदान की थी। सदन में हंगामा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने अपराह्न तीन बजकर 25 मिनट पर कार्यवाही शाम साढ़े चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सार्वजनिक बैंकों ने पिछले पांच साल में 5.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण बट्टे खाते में डाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने पिछले पांच वित्त वर्षों में लगभग 5.82 लाख करोड़ रुपए के फंसे हुए कर्ज को बट्टे खाते में डाला है। मंगलवार को संसद को यह जानकारी दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि वर्ष 2024-25 के दौरान, पीएसबी का बट्टे खाते में डाला गया ऋण 91,260 करोड़ रुपए था, जबकि इससे पिछले वित्तवर्ष में यह राशि 1.15 लाख करोड़ रुपए थी।

वित्तवर्ष 2020-21 के दौरान बट्टे खाते में डाला गया ऋण सबसे अधिक 1.33 लाख करोड़ रुपए था, जो अगले वर्ष घटकर 1.16 लाख करोड़ रुपए और वित्तवर्ष 2022-23 में 1.27 लाख करोड़ रुपए रह गया। मंत्री ने कहा कि पीएसबी ने बट्टे खाते में डाले गई राशि में से पिछले 5 वर्षों में लगभग 1.65 लाख करोड़ रु. की वसूली भी की है। यानी पिछले 5 वित्तवर्षों में कुल बट्टे खाते में डाली गई राशि का लगभग 28% की

वसूली की गई है। बैंक आरबीआई के दिशानिर्देशों और बैंकों के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार, चार वर्ष पूरे होने पर पूर्ण प्रावधान किए गए एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) को ही बट्टे खाते में डालते हैं। इस तरह की बट्टे खाते में डालने से उधारकर्ताओं की देनदारियों में छूट नहीं मिलती है और इसलिए, इससे उधारकर्ता को कोई लाभ नहीं होता है। उधारकर्ता पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने रहते हैं व बैंक इन खातों में वसूली की कार्रवाई जारी रखते हैं। मंत्री ने कहा कि बट्टे खाते में डाले गए ऋणों की वसूली सतत प्रक्रिया है और बैंक अपने पास उपलब्ध विभिन्न वसूली उपायों का उपयोग कर राशि वसूलने का प्रयास करते हैं।

संघ परिवार ने भगवान राम को लेकर तमिल गीतकार वैरामुतु की टिप्पणी की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिल गीतकार वैरामुतु द्वारा भगवान राम के बारे में की गई टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है और भाजपा ने उनकी (वैरामुतु की) निंदा करते हुए उन्हें ''मूर्ख'' करार दिया।

वैरामुतु ने कथित तौर पर कहा था कि भगवान राम सीता से अलग होने के बाद अपना दिमाग खो बैठे थे। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने ''अभद्र टिप्पणी'' की निंदा की।

बाली वध के संदर्भ में टिप्पणी हाल में शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में की गई, जहां वैरामुतु को तमिल कवि कंबन के नाम पर एक पुरस्कार मिला।

टिप्पणी से विवाद खड़ा होने के बीच वैरामुतु ने अपने सोशल मीडिया पेज पर कहा कि न तो वाल्मीकि ने भगवान राम को माफ किया और न ही बाली ने।

यह टिप्पणी सुग्रीव और उसके भाई एवं किष्किंधा नरेश बाली के बीच युद्ध के दौरान भगवान राम द्वारा पीछे से वार कर बाली का वध किए जाने के संदर्भ में की गई।

इस बारे में वैरामुतु ने कहा कि उन्होंने टिप्पणी की थी कि न तो वाल्मीकि और न ही बाली ने इस घटना के लिए भगवान राम को माफ किया, और न ही दुनिया ऐसा करने के लिए तैयार थी। उन्होंने कहा, लेकिन कंबन ने राम को दोष से बचाया।

वैरामुतु ने कंबन द्वारा रचित 'कंब रामायणम्' से एक पंक्ति उद्धृत की, जिसका अर्थ है, पत्नी सीता से अलग होने के बाद राम अपना दिमाग खो बैठे'' और ''ऐसी स्थिति में किया गया कार्य अपराध नहीं बनता। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर कहा, मैंने कहा कि कंबन द्वारा क्षमा किए जाने के कारण राम मनुष्य बन गए और कंबन भगवान बन गए।

वैरामुतु की टिप्पणी पर तमिलनाडु के भाजपा नेता नारायणन तिरुपति ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और गीतकार को ''मूर्ख'' करार दिया।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के मुख्य प्रवक्ता तिरुपति ने अपने 'एक्स' पेज पर कहा, मुझे वैरामुतु को मूर्ख कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, क्योंकि वह मूर्ख हैं... भगवान राम ने बाली को इसलिए मार डाला, क्योंकि उसने अपने ही भाई की पत्नी को अपनी पत्नी बताने का घिनौना पाप किया था। पीछे से, आगे से या बगल से उसकी जान लेने में कुछ भी गलत नहीं है।

उन्होंने कहा, ...जो कोई भी इस मुद्दे पर वैरामुतु की बात को मानता है, उनका समर्थन करता है, वह पागल है। हिंदू भावनाओं और आस्था का अपमान करना द्रविड़ मॉडल की प्रथा रहा है।

विहिप ने भी वैरामुतु पर निशाना साधते हुए उन्हें ''जोकर'' कहा।

विहिप (उत्तर तमिलनाडु) के अध्यक्ष डॉ. अंडाल पी चोकलिंगम ने आरोप लगाया कि वैरामुतु अपनी काव्य प्रतिभा की कमी को छिपाने के लिए हिंदू देवताओं और धर्म का मजाक उड़ाते हैं।

चोकलिंगम ने कहा कि विहिप बुधवार को यहां उनके घर के बाहर विरोध प्रदर्शन की योजना बना रही है और जब तक उन्हें (वैरामुतु को) गिरफ्तार नहीं कर लिया जाता, तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे।

इससे पहले 2018 में, वैरामुतु द्वारा वैष्णव संत अंडाल के बारे में की गई टिप्पणी से भी विवाद खड़ा हो गया था, जिसके लिए उन्होंने बाद में माफी मांगी थी।

तमिलनाडु में बुजुर्गों और दिव्यांगों के घर पर राशन पहुंचाने के कार्यक्रम की शुरुआत हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों सहित 21 लाख से अधिक लाभार्थियों के घर तक राशन पहुंचाने की योजना ''मुख्यमंत्री थायुमानवर योजना'' का आरंभ किया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पहल को अपने दिल के करीब बताया, क्योंकि इससे 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को लाभ होगा। स्टालिन ने इस उद्देश्य के लिए बने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर योजना की शुरुआत की और कुछ लाभार्थियों के घर जाकर उन्हें आवश्यक वस्तुएं भी सौंपीं। उन्होंने कहा कि यह योजना राशन कार्ड धारकों के उक्त समूह को उचित मूल्य की दुकानों तक पहुंचने में आने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई थी और इस योजना पर आने वाला 30.16 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च जनता के प्रति सरकार की ''जीवन रक्षक जिम्मेदारी'' है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपने बयान में कहा, हर योजना के निर्माण में बहुत सोच-विचार किया जाता है और 'थायुमानवर योजना' मेरे दिल के बहुत करीब है। सहकारिता विभाग द्वारा शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य बुजुर्गों और दिव्यांगों के घर तक राशन पहुंचाना है। मुझे इसका उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है।

तमिलनाडु भर में 34,809 उचित मूल्य की दुकानों में लागू होने वाली इस योजना से 21,70,454 लोगों को लाभ होगा, जिनमें से अधिकतर बुजुर्ग हैं। तमिलनाडु ऐसी 'घर-घर आपूर्ति' पहलों में 'अग्रणी' रहा है। सरकार केवल योजना की घोषणा करने तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि यह भी देखती है कि क्या अंतिम पात्र व्यक्ति को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, हम इस योजना में शामिल 30.16 करोड़ रुपए को अतिरिक्त खर्च के रूप में नहीं, बल्कि लोगों के प्रति एक जीवन रक्षक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। यह सहकारिता विभाग की एक बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कुल 37,328 उचित मूल्य की दुकानें हैं, जिनमें से 2,394 द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के चार वर्षों के कार्यकाल में जोड़ी गई हैं।

स्टालिन ने कहा, चूंकि हम इन दुकानों को कुशलतापूर्वक और उचित ढंग से चलाते हैं, इसलिए आज तमिलनाडु भुखमरी से होने वाली मौतों से मुक्त है। हम इन राशन की दुकानों के उपयोग को और सरल बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

इस बीच, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस पहल के तहत, हर दूसरे शनिवार और रविवार को लाभार्थियों के घर पर राशन पहुंचाया जाएगा। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से संबंधित विवरण पहले ही प्राप्त हो चुके हैं और संबंधित क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ साझा किए जा चुके हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, कर्मचारी पात्र लाभार्थियों तक राशन पहुंचाएंगे। इस पहल के तहत उन्हें एक इलेक्ट्रॉनिक वजन तौलने की मशीन और ई-पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) मशीन भी उपलब्ध कराई जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस योजना से लगभग 20.42 लाख वरिष्ठ नागरिक और 1.27 लाख से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे।

सत्तारूढ़ द्रमुक ने पहले ही स्वास्थ्य क्षेत्र में मक्कलाई थेडी मारुथुवम (एमटीएम) योजना सहित इसी तरह की सेवाओं की घर-घर आपूर्ति शुरू की है, जहां सरकार घर पर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करती है, जिसमें अन्य के अलावा वयस्कों के लिए मधुमेह और स्तन कैंसर की जांच शामिल है।

केरल में आर्कबिशप पर माकपा नेता ने साधा निशाना, विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर (केरल)/भाषा। केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक राज्य सचिव एम.वी. गोविंदन द्वारा थालास्सेरी के आर्कबिशप जोसेफ पम्पलानी पर अवसरवाद का आरोप लगाने के बाद जुबानी जंग छिड़ गई है। कैथोलिक गिरजाघर ने माकपा नेता के इस बयान की कड़ी निंदा की है।

उत्तरी केरल के कन्नूर जिले के तलिपरम्बा में सोमवार को एक गैर सरकारी संगठन,(एनजीओ) यूनियन के कार्यक्रम में गोविंदन ने कहा कि पम्पलानी बार-बार अपना राजनीतिक रुख बदलते रहते हैं।

गोविंदन ने कहा, जब छत्तीसगढ़ में ननों को गिरफ्तार किया गया, तो उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ बोला। जब उन्हें जमानत मिल गई तो उन्होंने अमित शाह और अन्य लोगों की तारीफ की। इस तरह के बदलते मिजाज से न तो ईसाई बचेंगे, न मुसलमान और न ही कम्युनिस्ट।

थालास्सेरी आर्कडायोसिस ने इस टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे ''अपमानजनक'' बताया और इसकी तुलना ''फासीवादी ताकतों'' की बयानबाजी से की।

सोमवार देर रात जारी एक बयान में थालास्सेरी आर्कडायोसिस ने कहा कि यह कहना कि बिशप केवल ''एकेजी सेंटर'' (माकपा का राज्य मुख्यालय) से ''निर्देश लेने के बाद ही बोल सकते हैं, एक छिपी हुई सत्तावादी मानसिकता को दर्शाता है।

आर्कडायोसिस ने उन दावों को खारिज कर दिया कि आर्कबिशप ने छत्तीसगढ़ की घटना पर अपना रुख बदल दिया है।

आर्कडायोसिस ने जोर देकर कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार और संघ परिवार के ''असंवैधानिक'' कार्यों का लगातार विरोध किया है।

कांग्रेस का सुरेश गोपी पर झूठा हलफनामा देने का आरोप, पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी पर नए आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने 2024 के आम चुनाव के दौरान त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल होने के लिए झूठा घोषणापत्र जमा किया था। पार्टी ने अभिनेता से नेता बने गोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई।

पूर्व लोकसभा सांसद टी एन प्रतापन के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के एक समूह ने शहर के पुलिस आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और गोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। शिकायत दर्ज कराने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में प्रतापन ने आरोप लगाया कि गोपी ने अधिकारियों को एक घोषणापत्र दिया था कि वह निर्वाचन क्षेत्र के एक घर में लगातार छह महीने रहे थे और इस तरह उन्होंने अपना नाम यहां मतदाता सूची में जुड़वाया। उन्होंने कहा कि उनका घोषणापत्र पूरी तरह से झूठा था, क्योंकि वह अपने दावे के अनुरूप इस अवधि के दौरान उस विशेष आवास पर छह महीने तक नहीं रहे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, गोपी और उनके परिवार के 11 सदस्यों को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद जारी की गई पूरक सूची में मतदाता के रूप में शामिल किया गया था। यह एक झूठा हलफनामा था।

प्रतापन ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा नेता ने झूठे हलफनामे के जरिए निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता बनने के बाद नामांकन दाखिल किया था। प्रतापन ने कहा, इसलिए उनका वोट फर्जी और अवैध है। उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उनका वोट रद्द किया जाना चाहिए। प्रतापन ने यह भी आरोप लगाया कि सुरेश गोपी और उनके परिवार के नाम आगामी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए तिरुवनंतपुरम नगर निगम के अंतर्गत षष्ठमंगलम वार्ड की मतदाता सूची में अब भी मौजूद हैं। उन्होंने जिला प्रशासन पर आरोप लगाया कि जब कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले फर्जी मतदाताओं से जुड़े आरोपों और शिकायतों को उठाया था, तब प्रशासन ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। प्रतापन ने कहा, सुरेश गोपी एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने देश के संविधान की शपथ ली थी। वह पहले राज्यसभा सदस्य थे। उन्होंने झूठा हलफनामा देकर चुनाव लड़ा और जीता था। अगर उनका वोट अमान्य हो जाता है, तो उनकी लोकसभा सदस्यता चली जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस शिकायत पर सकारात्मक कार्रवाई करेगी। केंद्रीय पेट्रोलियम और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में त्रिशूर सीट पर 74,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वी. एस. सुनील कुमार और कांग्रेस उम्मीदवार के. मुरलीधरन को त्रिकोणीय मुकाबले में हराया था।

इससे पहले केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने मतदाता सूची में व्यापक हेरफेर की खबरों के मद्देनजर, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में फिर से चुनाव कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले और बाद में निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूचियों में व्यापक हेरफेर के आरोप लगाए गए हैं। मंत्री ने गोपी से संसद की सदस्यता से इस्तीफा देने के लिए कहा।

मतदाता सूची आरोप

केरल के मंत्री ने त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी की खबरों के मद्देनजर मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से इस सीट पर फिर से चुनाव कराने का आग्रह किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 2024 के आम चुनाव में इस निर्वाचन क्षेत्र से भारी जीत मिली थी। अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट पर 74 हजार से अधिक मतों के महत्वपूर्ण अंतर से जीत हासिल की थी और त्रिकोणीय मुकाबले में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) नेता वी. एस. सुनील कुमार तथा कांग्रेस उम्मीदवार के. मुरलीधरन को हराया था। वर्तमान में गोपी केंद्रीय पेट्रोलियम और पर्यटन राज्य मंत्री हैं।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता शिवनकुट्टी ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले और बाद में निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूचियों में व्यापक हेराफेरी के आरोप लगे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के भीतर गोपी का विरोध करने वाले भी कह रहे हैं कि मतदाता सूची में 30 हजार से 60 हजार वोट जोड़े जाने की संभावना है। मंत्री ने मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि अब यह बात सामने आई है कि जिले के कई अपार्टमेंट में आठ से 15 वोट जोड़े गए थे। शिवनकुट्टी ने कहा, निर्वाचन आयोग को त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में दोबारा चुनाव कराना चाहिए। इसके लिए एक वास्तविक और न्यायसंगत मतदाता सूची तैयार किए जाने की जरूरत है। इस मामले पर सुरेश गोपी की लगातार चुप्पी की कड़ी आलोचना करते हुए वामपंथी नेता ने कहा कि वह चुप हैं, क्योंकि वह इस मामले की सच्चाई नहीं बता सकते। उन्होंने आरोप लगाया, गोपी, मीडिया और लोगों का सामना करने से डर रहे हैं।

शिवनकुट्टी ने कहा, इसका मतलब है कि उन्होंने मतदाता सूची में हेराफेरी करके और लाखों रुपए खर्च करके चुनाव जीता है। मंत्री ने गोपी से कथित कदाचार की जिम्मेदारी लेते हुए त्रिशूर के सांसद पद से इस्तीफा देने की भी बात कही। मंत्री का यह बयान भाकपा के वरिष्ठ नेता वी. एस. सुनील कुमार द्वारा भाजपा के खिलाफ मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों को तेज करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने इसे मध्य केरल निर्वाचन क्षेत्र में उनकी ऐतिहासिक जीत से जोड़ा था।

बेंगलूरु को लाल बाग, कब्बन जैसे और पार्कों की जरूरत : मंत्री ईश्वर खांडरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के वन एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खांडरे ने मंगलवार को कहा कि लाल बाग और कब्बन पार्क के निर्माण को सदियां बीत चुकी हैं और बेंगलूरु को ऐसे और अधिक हरित स्थलों की आवश्यकता है।

वह यहां एक निजी होटल में कर्नाटक वन, वन्यजीव और जलवायु परिवर्तन फाउंडेशन के पहले सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे।

मंत्री ने कहा, 150 साल बाद भी, बेंगलूरु में लाल बाग या कब्बन पार्क जैसा कोई दूसरा बड़ा पार्क नहीं है।

खांडरे ने जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) के प्रकृति पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला और कहा कि हरित क्षेत्र को बढ़ाना ही एकमात्र समाधान है।

मंत्री ने कहा, अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे बेंगलूरु शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने के तरीकों का अध्ययन करें। एक व्यक्ति को आराम से रहने के लिए सात पेड़ों की आवश्यकता होती है, लेकिन बेंगलूरु में वर्तमान स्थिति यह है कि प्रत्येक सात व्यक्ति पर केवल एक पेड़ है। उन्होंने कहा कि राजधानी की आबादी लगभग 1.5 करोड़ होने के कारण कठोर कदम उठाने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा, कॉरपोरेट संस्थानों को आगे आकर शहर के हरित क्षेत्र को बढ़ाने और इसे दिल्ली की तरह गैस चैंबर बनने से रोकने के लिए हाथ मिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निजी-सार्वजनिक भागीदारी से येलहंका के पास मदप्पनहल्ली में 153 एकड़ में बनने वाले जैव विविधता पार्क जैसी परियोजनाओं को लाभ होगा।

बैंक धोखाधड़ी मामला : सीबीआई ने तमिलनाडु में छह परिसरों की तलाशी ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कांचीपुरम स्थित पद्मादेवी शुगर्स लिमिटेड के कथित 120 करोड़ रुपए बैंक धोखाधड़ी मामले में मंगलवार को तमिलनाडु में छह स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय एजेंसी ने मद्रास उच्च न्यायालय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए पद्मादेवी शुगर्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी सहयोगी संस्थाओं और अज्ञात लोकसेवकों के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, संपत्ति के दुरुपयोग और जालसाजी के अपराध किए।

सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों में इंडियन ओवरसीज बैंक से धोखाधड़ी से विभिन्न ऋण सुविधाएं प्राप्त करना, संपत्ति का दुरुपयोग, बैंक के धन को सहयोगी संस्थाओं और असंबद्ध संस्थाओं में स्थानांतरित करना, संबंधित पक्षों को धन हस्तांतरित करना और निजी कंपनियों को ब्याज मुक्त अग्रिम देना शामिल है। तमिलनाडु में तेनकाशी, चेन्नई और तिरुचिरापल्ली सहित छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों के आवासीय परिसरों के साथ-साथ अप्पू होटल्स लिमिटेड और ओटियम वुड इंडस्ट्रीज के परिसर भी शामिल थे। इनका कथित तौर पर पद्मादेवी शुगर्स के साथ संदिग्ध लेनदेन था। एजेंसी ने कहा कि तलाशी में अपराध में संलिप्तता का संकेत करने वाले दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए, जिनमें धन के दुरुपयोग से संबंधित रिकॉर्ड और जांच से संबंधित अन्य सामग्री शामिल है।

केरल: इलाज करवाने आई महिला मरीज के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में वरिष्ठ चिकित्सक गिरफ्तार

कोट्टायम (केरल)/भाषा। केरल में सेवानिवृत्त सरकारी चिकित्सक को उसके क्लिनिक में इलाज करवाने आई एक महिला मरीज के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी पी. एन. राघवन (75) को 23 वर्षीय एक मरीज की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया। मरीज इस जिले में पाला के मुरीक्कुम्बुझा स्थित आरोपी के क्लिनिक में सोमवार को इलाज करवाने के लिए गई थी। पुलिस के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चिकित्सक ने इलाज के बहाने पीड़िता के साथ दुर्व्यवहार किया। पाला थाने की एक टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

रजनीकांत का करिश्मा और आभा अद्भुत है: नागार्जुन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। दक्षिण के प्रसिद्ध अभिनेता नागार्जुन ने कहा कि उनकी आगामी फिल्म 'कुली' में रजनीकांत के साथ काम करना एक शानदार अनुभव था।

यह फिल्म बृहस्पतिवार को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है जो 'कैथी, लियो' और 'अवियल' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित 'कुली' में आमिर खान और सत्यराज भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

नागार्जुन सोमवार को मुंबई में अपनी फिल्म के संगीत लॉन्च समारोह में शामिल हुए। उनके साथ उनकी सह-कलाकार श्रुति हासन और संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर भी थे। फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे अभिनेता ने कहा कि रजनीकांत ने तमिल संवादों में उनकी मदद की है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, रजनी सर के साथ काम करना शानदार अनुभव है। मैं यहां से ये अनुभव लेकर जाउंगा। सेट पर उनका करिश्मा और आभामंडल लाजवाब होता है। यह वाकई अच्छा था कि उन्होंने तमिल संवादों में मेरी मदद की और मेरा मार्गदर्शन किया। भले ही मैंने एक नकारात्मक भूमिका निभाई है लेकिन इस फिल्म को करने के बाद मैं अपने साथ कुछ बहुत ही सकारात्मक लेकर जा रहा हूं।

यह पूछे जाने पर कि किस बात ने उन्हें नकारात्मक भूमिका के लिए हां कहने पर मजबूर किया? नागार्जुन ने कहा कि उन्होंने ज्यादातर अच्छी भूमिकाएं निभाई हैं जो अब कुछ हद तक उनके लिए उबाऊ हो गई थीं। पेन स्टूडियो द्वारा वितरित इस फिल्म में रजनीकांत देवा की भूमिका में हैं जो एक पूर्व स्वर्ण तस्कर है और बदला लेना चाहता है।

बेंगलूरु में महिला विश्व कप मुकाबलों को लेकर अनिश्चितता, बदल सकता है स्थल

बेंगलूरु/भाषा। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मैचों का भविष्य अनिश्चित हो गया है क्योंकि मेजबान कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) 10 अगस्त तक पुलिस की मंजूरी नहीं ले सका है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने केएससीए को पिछले शनिवार तक आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए सूचित किया था लेकिन स्थानीय पुलिस अधिकारियों के अनुसार मंगलवार तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। इस बीच तिरुवनंतपुरम के कार्यवत्तोम स्थित ग्रीनफील्ड्स स्टेडियम बेंगलूरु में होने वाले मैचों की मेजबानी के लिए एक संभावित वैकल्पिक स्थल के रूप में उभरा है।

आईसीसी के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का पहला मैच भारत और श्रीलंका के बीच 30 सितंबर को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। इसके बाद इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका (तीन अक्टूबर), भारत और बांग्लादेश (26 अक्टूबर), दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर और दो नवंबर को फाइनल यहां खेला जाना है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि केरल क्रिकेट संघ (केसीए) के अधिकारियों से प्रतियोगिता के कार्यक्रम और लगभग एक महीने के भीतर होने वाले बड़े मैचों की मेजबानी के लिए आयोजन स्थल की तैयारी के बारे में पूछा गया है। आईसीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार मेजबान संघ को टूर्नामेंट शुरू होने से 30 दिन पहले आयोजन स्थल को वैश्विक शासी निकाय को सौंपना होगा और उस अवधि के दौरान स्टेडियम में कोई अन्य मैच नहीं होना चाहिए।

विद्यार्थी अपनी शिक्षा का समुचित उपयोग राष्ट्र व समाज की उन्नति में करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत का अर्थ शिक्षा का अंत नहीं अपितु अर्जित योग्यताओं से जीवन की नई शुरुआत है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी शिक्षा का समुचित उपयोग राष्ट्र व समाज की उन्नति में करेंगे। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद जनजातीय विश्वविद्यालय से अपेक्षा है की जनजाति क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रभावी प्रचार हो। इसलिए हमें शिक्षा में जनजातीय वर्ग के बच्चों की संख्या बढ़ानी है ताकि शिक्षा के माध्यम से वे नौकरी व व्यवसाय कर सके और उनकी गरीबी दूर हो। हमें प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्कूलों की शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय,बांसवाड़ा के षष्ठ दीक्षान्त समारोह को माही डेम रोड बड़वी स्थित माही भवन विश्वविद्यालय परिसर में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री प्राप्त कर रहे युवाओं का कर्तव्य है कि वे अपने गांव के स्कूलों में हो रही पढ़ाई पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अपनी विद्या को अपने तक ही सीमित नहीं रखे, इसे दूसरों को भी देने का प्रयास करें। विद्या तमाम बंधनों से मुक्त करती है। ज्ञान मिलने पर अहंकार से मुक्ति मिलती है। शिक्षा का उद्देश्य बौद्धिक क्षमता विकसित कर समस्या के समाधान का मार्ग निकालना है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 2014 में विश्व में 11 वे नंबर की थी, जो अब विश्व में चौथे नंबर की है। देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। उन्होंने कहा कि मैंने आज मां त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन कर यह कामना की है कि यहां के बच्चों की बौद्धिक क्षमता में बढ़ोतरी हो, शिक्षक मुक्त हाथ से विद्या प्रदान करें और सभी लोगों को अच्छा स्वास्थ्य मिले। इस अवसर पर उन्होंने बांसिया भील, राणा पूंजा, राजा डूंगरिया, कालीबाई आदि को भी याद किया।

समारोह में 22 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि तथा 34 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इस अवसर पर राज्यपाल ने कौटिल्य शोध भवन व स्वामी विवेकानंद छात्र कल्याण भवन का लोकार्पण एवं संकाय भवन का शिलान्यास किया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने की। उन्होंने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

आईसीआईसीआई का निर्णय निम्न आर्य वर्ग के लिए गंभीर कठिनाइयां पैदा करेगा : डॉ जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान चैंबर ऑफ वाणिज्य एवं उद्योग (आरसीसीआई) के अध्यक्ष डॉ. के.एल. जैन ने आईसीआईसीआई बैंक द्वारा हाल ही में बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि की सीमा बढ़ाने के निर्णय पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह निम्न मध्यम आय वर्ग के लिये गंभीर कठिनाइयां पैदा करेगा। डॉ जैन ने मंगलवार को कहा कि यह कदम न केवल बैंक ग्राहकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगा, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनभोगियों, विद्यार्थियों, छोटे व्यापारियों और निम्न-मध्यम आय वर्ग जैसे संवेदनशील वर्गों के लिए गंभीर कठिनाइयां पैदा करेगा।

उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के सभी वर्गों को सुविधाजनक, सुरक्षित और किफायती वित्तीय सेवायें उपलब्ध कराना भी अनिवार्य है। न्यूनतम शेष राशि में वृद्धि से वित्तीय समावेशन की भावना प्रभावित होगी और लाखों ग्राहकों पर अनावश्यक आर्थिक दबाव पड़ेगा। डॉ जैन ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक और पेंशनभोगी पहले से ही सीमित मासिक आय या पेंशन पर निर्भर हैं, ऐसे में बढ़ी हुई न्यूनतम शेष राशि बनाये रखना उनके लिए कठिन होगा। विद्यार्थियों और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए भी यह निर्णय बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को कठिन बना सकता है। साथ ही, न्यूनतम शेष राशि न रखने पर लगने वाले दंडात्मक शुल्क से उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति और बिगड़ सकती है।

उन्होंने भारतीय रिज़र्व बैंक से आग्रह किया है कि इस निर्णय की तत्काल समीक्षा की जाये, बैंकों को न्यूनतम शेष राशि बढ़ाने से पूर्व रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) की अनुमति लेने और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का आकलन करने के निर्देश दिये जाये और वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनभोगियों, विद्यार्थियों, दिव्यांगजनों और निम्न आय वर्ग को न्यूनतम शेष राशि की शर्त से छूट प्रदान करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किये जायें। डॉ. जैन ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं का मकसद जनता का विश्वास बनाये रखना और अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय प्रणाली में शामिल करना होना चाहिए। यदि ऐसे निर्णय बिना व्यापक परामर्श और प्रभाव विश्लेषण के लागू किए जाते हैं, तो यह बैंकिंग क्षेत्र की छवि और जनता के भरोसे पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। चैंबर ने केन्द्रीय वित्त मंत्री, केंद्र सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर को पत्र लिखकर इस विषय में शीघ्र और संवेदनशील हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है ताकि बैंकिंग व्यवस्था में जनता का विश्वास और वित्तीय समावेशन की भावना अक्षुण्ण बनी रहे।

पहली बार आर्मी क्षेत्र से बाहर आमजन के समक्ष होगी परेड : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान के सम्मान में हर वर्ष आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाता है। इस बार आगामी 15 जनवरी को यह भव्य आयोजन प्रदेश की राजधानी जयपुर में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आर्मी-डे परेड का आयोजन भारतीय सेना द्वारा पहली बार आर्मी क्षेत्र से बाहर आमजन के समक्ष किया जाएगा, जिससे युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल हो सके तथा दुनिया में बदलते भारत की उभरती तस्वीर नजर आए।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की विश्व में पराक्रम और वीरता के लिए विशिष्ट पहचान है। हमारे वीर जवानों ने समय-समय पर अपनी बहादुरी का प्रदर्शन कर यह दर्शाया है कि देश की आन, बान और शान के लिए वे अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेना के इसी शौर्य को सम्मान देने के लिए आर्मी-डे परेड के इस आयोजन को और भव्य बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आर्मी-डे परेड में स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं, पर्यटकों सहित आमजन की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही परेड स्थल का चयन करते समय अनुमानित दर्शक क्षमता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने जिला कलक्टर जयपुर को आयोजन स्थल का नक्शा बनाते हुए पूरा रोड़ मैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे कार्यक्रम में दर्शकों को राजस्थान की अद्भुत संस्कृति की झलक भी दिखनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन स्थल पर पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंधन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह के वृहद आयोजन के लिए कार्ययोजना बनाकर सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें।

भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह ने बैठक में बताया कि आर्मी-डे परेड को आम लोगों तक पहुंचाने तथा युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से इसका आयोजन जयपुर में किया जा रहा है। इस दौरान अलग-अलग दिवसों पर रक्तदान शिविर, ऑनर रन, साइकिल रैली, नो यॉर आर्मी जैसी सेना दिवस से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड कार्यक्रम के दिन परेड संरचना के तहत पैदल सैनिक दस्ते, टैंक, तोप, मिसाइल, भारतीय सेना बैण्ड, मोटर साइकिल शो तथा विभिन्न झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के युद्ध कौशल और सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन के लिए शौर्य संध्या का भी भव्य स्तर पर आयोजन किया जाएगा।

बैठक में मेजर जनरल अमर रामदासानी ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सेना दिवस परेड की तैयारियों को लेकर जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

खान विभाग का राजस्व अर्जन के लिए पुरानी बकाया सहित सभी संभावित स्रोतों पर रहेगा फोकस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा राजस्व बढ़ोतरी के लिए एग्रेसिव रणनीति बनाते हुए रुटिन राजस्व वसूली के साथ ही बकाया राजस्व वसूली व राजस्व के अन्य संभावित स्रोतों पर खास फोकस किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने मंगलवार को खनिज भवन में निदेशक माइंस दीपक तंवर सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में राजस्व बकाया वसूली, डेलिनियेशन से ऑक्शन और एलओआई जारी होने से लेकर ऑक्शन खानों को परिचालन में लाने तक की ठोस रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि विभाग की पुरानी बकाया, जुर्माना राशि बकाया, कोर्ट स्टे को छोड़कर शेष बकाया, कोर्ट स्टे प्रकरणों में प्रभावी पैरवी करते हुए स्टे वैकेट करके राशि वसूली और अवैध खनन गतिविधियों के दौरान जुर्माने की राशि सहित पुरानी व चालू बकाया वसूली के ठोस प्रयास किये जाएं। उन्होंने इस तरह की बकाया राशि की वसूली के एमई एएमई कार्यालयानुसार मासिक कार्ययोजना बनाकर राजस्व अर्जन की पाक्षिक समीक्षा पर जोर दिया।

प्रमुख शासन सचिव रविकान्त ने बताया कि 6 अगस्त तक विभाग द्वारा 2968 करोड़ 11 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया है। यह गत वर्ष की तुलना में अधिक है पर विभागीय अधिकारियों को एमनेस्टी योजनाओं, पुरानी बकाया राशि और समयसमय पर लगाई जा रही जुर्माना राशियों की वसूली पर भी खास ध्यान देना होगा।

टी. रविकान्त ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य के माइंस सेक्टर को देश का अग्रणी सेक्टर बनाने पर जोर देते हुए समग्र फोकस पर जोर दिया जा रहा है ताकि एक्सप्लोरेशन से लेकर ऑक्शन और परिचालन से राजस्थान निवेश, रोजगार और राजस्व संग्रहण में अग्रणी बन सके। रविकान्त ने मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन में भी वैविध्य लाने की आवश्यकता प्रतिपादित की और इस तरह की रणनीति बनाने पर जोर दिया ताकि एक्सप्लोरेशन से लेकर ब्लॉक तैयार होने तक का रोडमेप तैयार होकर क्रियान्वित हो सके।

खान विभाग के निदेशक दीपक तंवर ने बताया कि राजस्व अर्जन पर विभाग का खास फोकस है और बकाया राजस्व वसूली के सभी संभावित प्रयास करने के निर्देश दिए गए हैं। इस वित्तीय वर्ष में रेकार्ड राजस्व अर्जित किया जाएगा।

सोलहवीं विधानसभा का चतुर्थ अधिवेशन सितम्बर से होगा शुरु

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का चतुर्थ अधिवेशन आगामी एक सितम्बर से शुरु होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि विधानसभा के इस अधिवेशन के संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने अधिसूचना जारी कर दी है। देवनानी ने इस सत्र से संबंधित विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की। देवनानी ने विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा को सत्र से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं को निर्धारित अवधि में किये जाने के आवश्यक निर्देश दिये। सत्र के दौरान राज्य के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, विधायी कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विशेष उल्लेख प्रस्ताव और स्थगन प्रस्ताव जैसे संसदीय कार्य भी संपादित होंगे।

जोधपुर में होगा राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

जोधपुर। इस वर्ष का राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह सूर्यनगरी जोधपुर में अभूतपूर्व भव्यता के साथ आयोजित होगा। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने सोमवार को मीडिया से रूबरू होते हुए तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा 14 अगस्त को जोधपुर पहुंचेंगे, जहां वे एट होम कार्यक्रम और सांस्कृतिक संध्या में शिरकत करेंगे। 15 अगस्त की सुबह सर्किट हाउस में ध्वजारोहण करने के बाद वे शहीद स्मारक जाकर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, तत्पश्चात बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में मुख्य समारोह में शामिल होंगे। जिला कलेक्टर ने बताया कि इस वर्ष का मुख्य आकर्षण रहेगा 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत होने वाला ड्रोन शो, जो पूरे भारत में पहली बार इस स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही वायु सैनिकों द्वारा पुष्प वर्षा, सेना के हथियारों की प्रदर्शनी और बीएसएफ का कैमल टैटू शो भी दर्शकों के लिए खास आकर्षण होंगे।

14 अगस्त की शाम अशोक उद्यान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य अतिथि भाग लेंगे। इस अवसर पर 700 स्कूली छात्र व्यायाम प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे।समारोह की सुरक्षा के लिए एयरपोर्ट से लेकर सर्किट हाउस, मेहरानगढ़ और अशोक उद्यान तक पुख्ता इंतज़ाम किए गए हैं। सभी सुरक्षा एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं।

आधुनिक युग में तकनीकी शिक्षा, ज्ञान, भाषा व संस्कार की अहम भूमिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि अमृत महोत्सव सफलता का उत्सव है। बीते 75 वर्षों में इस महाविद्यालय ने ऐसे अनेक विद्यार्थियों को दिशा व उद्देश्य प्रदान किए हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में जिले व महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी मंगलवार को माणिक्य लाल वर्मा महाविद्यालय में आयोजित अमृत महोत्सव उद्घाटन समारोह एवं विधायक निधि से कंप्यूटर कक्ष एवं स्मार्ट कक्षा के लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ने कहा कि वर्तमान आधुनिक युग में तकनीकी ज्ञान, शिक्षा, भाषा एवं संस्कार की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि समय किसी के लिए रुकता नहीं, जो विद्यार्थी समय के महत्व को समझता है, वही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

विधायक मद से निर्मित कंप्यूटर कक्ष व स्मार्ट कक्षा कक्षों का किया लोकार्पण- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्थानीय विधायक अशोक कोठारी द्वारा विधायक मद से जारी 15 लाख की राशि से निर्मित कंप्यूटर कक्ष व स्मार्ट कक्षा-कक्षों का लोकार्पण किया। उन्होंने कंप्यूटर कक्ष व स्मार्ट कक्षा कक्ष का अवलोकन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक तकनीक से शिक्षा जरूरी है इसमें यह स्मार्ट कक्षा-कक्ष अहम व उपयोगी साबित होंगे।

पांच 'डी' के माध्यम से जीवन मूल्यों का महत्व समझाया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने पांच 'डी' के माध्यम से जीवन मूल्यों का महत्व समझाया। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि जीवन में मर्यादा का पालन, अनुशासन, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता एवं समर्पण रखेंगे तो जीवन का विकास होगा। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर दिया जोर - विधानसभा अध्यक्ष ने विदेशी वस्तुओं का उपयोग नहीं करने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का संकल्प लेने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से भारत की अर्थव्यवस्था और भी मजबूत होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहर विधायक अशोक कोठारी ने कहा कि विधायक मद से जारी राशि ज्यादा से ज्यादा जन कल्याणकारी कार्यों में उपयोग हो यही उनकी प्राथमिकता है। प्राचार्य संतोष आनंद ने कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम संयोजक कश्मीर भट्ट ने दिया। राकेश पाठक ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का स्वागत अभिनंदन किया ।

अमर शहीद हेमू कालानी का साहस और त्याग आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अमर शहीद हेमू कालानी भारत के सबसे कम उम्र के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनका साहस और त्याग आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है। यह स्मारक न केवल उनके बलिदान की कहानी कहेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी राष्ट्रभक्ति का संदेश देगा। शाहपुरा के लिए यह एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर साबित होगा।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने मंगलवार को भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे के दौरान शाहपुरा स्थित सिंधी कॉलोनी में अमर शहीद हेमू कलानी के स्मारक व मूर्ति अनावरण समारोह में आमजन को संबोधित कर रहे थे। मूर्ति अनावरण समारोह महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। यह आयोजन नगर पालिका शाहपुरा और पूज्य सिंधी पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि अमर शहीद हेमू कालानी न केवल अच्छे छात्र थे अपितु बहुत अच्छे तैराक, साइकिल चालक और उत्कृष्ट धावक भी थे। 19 वर्ष की आयु जीवन को समझने की शुरुआत होती है, उस उम्र में देश के लिए फांसी के फंदे का वरण करना, राष्ट्र धर्म के निर्वहन का सर्वोच्च आदर्श है।

शहीदों के जीवन दर्शन यह बताते हैं कि आजादी की जंग के जांबाज क्रांतिकारी योद्धा अपना मरण त्योहार मना कर स्वतंत्रता का उपहार देने के लिए ही अवतरित होते हैं।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मंगलवार को शक्तिपीठ मां त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बागड़े बांसवाड़ा पहुंचकर मां त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां त्रिपुरा सुंदरी से प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में कुल 4,594 करोड़ रुपए के निवेश से चार सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की स्थापना को मंजूरी दी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी संवाददाताओं को देते हुए कहा कि ये प्रस्ताव 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत स्वीकृत किए गए हैं। इस मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना में वित्तीय मदद देने के लिए 76,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वैष्णव ने कहा, मंत्रिमंडल ने चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों को स्वीकृति दी है जिनकी स्थापना ओडिशा, पंजाब एवं आंध्र प्रदेश में की जाएगी।

वैष्णव ने कहा कि ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में सिलिकॉन कार्बाइड सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इस पर सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड 2,066 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस संयंत्र की वार्षिक क्षमता 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिपों के विनिर्माण की होगी। उन्होंने कहा, सिलिकॉन कार्बाइड बेहद मजबूत सामग्री है और यह उच्च तापमान पर भी काम

4,594 करोड़ रुपए का होगा निवेश

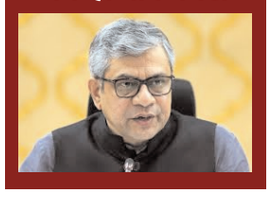

कर सकती है। इसका इस्तेमाल मिसाइल, उपग्रह, दूरसंचार टावर, रॉकेट और रेल इंजन में किया जाता है। ओडिशा में ही एक 3डी ग्लास निर्माण संयंत्र भी स्थापित होगा जिस पर 1,943 करोड़ रुपए का निवेश होगा। हेटेरोजीनस इंटीग्रेशन पैकेजिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के इस संयंत्र में अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां इंटेल एवं लॉकहीड मार्टिन सहित अन्य का निवेश होगा। इसकी उत्पादन क्षमता पांच करोड़ यूनिट की होगी।

मंत्रिमंडल ने आंध्र प्रदेश में चिप पैकेजिंग संयंत्र को मंजूरी दी है, जिसे एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड 468 करोड़ रुपए के निवेश से लगाएगी। इसकी वार्षिक क्षमता 9.6 करोड़ चिप के विनिर्माण की होगी। मंत्रिमंडल ने पंजाब में 117 करोड़ रुपए के निवेश वाली सेमीकंडक्टर परियोजना को भी मंजूरी दी है जिसकी स्थापना इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे बनाने वाली कंपनी सीडीआईएल करेगी। इस संयंत्र में सालाना 15.8 करोड़ चिपों का विनिर्माण किया जा सकेगा।

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उठाए गए विभिन्न कदमों से पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात आठ गुना बढ़कर 3.3 लाख करोड़ रुपए और मोबाइल उत्पादन 28 गुना बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने बताया कि भारत दो-चार सितंबर तक 'सेमिकॉन इंडिया 2025' की मेजबानी करेगा जिसमें सिंगापुर, मलेशिया, जापान एवं कोरिया साझेदार देश होंगे।

बिहार की गंडक नदी में घड़ियालों की संख्या बढ़कर 372 हुई, पांच वर्षों में 113 की वृद्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की गंडक नदी में मछली खाने वाले घड़ियालों की संख्या बढ़कर 372 हो गई है जो वर्ष 2020 में 259 थी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि गंडक नदी देश में चंबल अभयारण्य के बाद घड़ियालों का दूसरा सबसे बड़ा प्रजनन स्थल है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव हरज्योत कौर बमराह ने बताया कि भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (डब्ल्यूटीआई) के परियोजना विशेषज्ञों और स्थानीय निगरानीकर्ता राज्य में घड़ियालों के जमावड़े वाले स्थानों पर निगरानी रख रहे हैं। बमराह ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, घड़ियालों की संख्या में हुई वृद्धि महत्वपूर्ण है और इसने वन विभाग अधिकारियों एवं पर्यावरणविदों को उत्साहित किया है। नदी में घड़ियालों को छोड़े जाने के बाद उनकी संख्या जो 2015 में 54 थी, वह अब बढ़कर 372 हो गई है। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी से 4 मार्च के दौरान गंडक बैराज से सोनेपुर-हाजीपुर ब्रिज तक 326 किलोमीटर के नदी क्षेत्र में किए गए एक सर्वेक्षण में देखा गया कि घड़ियालों की कुल संख्या में 62 वयस्क (नर), 98 उप-वयस्क, 110 किशोर और 102 बच्चे (आयु करीब एक वर्ष) हैं।

डब्ल्यूटीआई के मुख्य पारिस्थितिकी वैज्ञानिक समीर कुमार सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सर्वेक्षण से पता चला है कि नदी में देखे गए घड़ियालों की संख्या में वर्ष 2020 से अब तक 43.6 फीसद की वृद्धि हुई है। आंकड़ों में उनकी संख्या 259 से बढ़कर 326 हो गई है। बमराह ने कहा, यह बिहार में विशेष रूप से गंडक नदी में घड़ियाल संरक्षण प्रयासों में एक बड़ी सफलता है जो चंबल अभयारण्य क्षेत्र के बाद भारत में मछली खाने वाले मगरमच्छों के लिए दूसरा सफल प्रजनन स्थल है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रभात कुमार गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पश्चिमी चंपारण जिले की गंडक नदी में ''372 लंबे मूंह वाले घड़ियालों का दिखना, बिहार सरकार के वन विभाग अधिकारियों और डब्ल्यूटीआई विशेषज्ञों द्वारा घड़ियाल प्रजनन को पुनर्जीवित करने के लिए पिछले दस वर्षों में किए गए ठोस संरक्षण प्रयासों का ही परिणाम है। इस वर्ष गंडक नदी के छह खंडों - गंडक बैराज-पनियाहवा, पनियाहवा-रतवल, रतवल-मंगलपुर, मंगलपुर-डुमरिया, डुमरिया-रीवा और रीवा-सोनपुर में घड़ियाल जनसंख्या सर्वेक्षण किया गया।

नगालैंड ने एचआईवी प्रसार दर से निपटने के लिए अभियान शुरू किया

कोहिमा/भाषा। नगालैंड में मंगलवार को एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए दो महीने का अभियान शुरू किया गया। देश में एचआईवी प्रसार दर के मामले में नगालैंड दूसरे स्थान पर है।

नगालैंड के स्वास्थ्य मंत्री पी पैवांग कोन्याक ने इस दो महीने तक चलने वाले अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि हालांकि महामारी में लगातार कमी आ रही है, लेकिन अब भी राज्य की 1.37 प्रतिशत वयस्क आबादी (15-49 वर्ष) इससे प्रभावित है। उन्होंने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा, संक्रमण मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध (85 प्रतिशत) के माध्यम से होता है, इसके बाद नशीली दवाओं के इंजेक्शन के उपयोग (8.7 प्रतिशत) और संक्रमित माता-पिता से अजन्मे बच्चों (5.4 प्रतिशत) में होता है। कोन्याक ने बताया कि जून तक राज्य में एचआईवी से पीड़ित 15,323 लोग एंटी-रेट्रोवायरल उपचार प्राप्त कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि अभियान को एक ऐसा आंदोलन बनना चाहिए, जहां ''ज्ञान बीमारी से अधिक तेजी से फैलता है, आशा भय से अधिक दूर तक फैलती है, तथा कर्म, अज्ञानता से अधिक प्रभावशाली होता है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत नगालैंड के शहरी और ग्रामीण दोनों समुदायों से संपर्क किया जाएगा और यह न केवल सूचना, बल्कि आशा का भी प्रसार करेगा। राज्य के स्वास्थ्य सचिव अनूप खिंची ने बताया कि अभियान में मुख्य रूप से सुरक्षित प्रथाओं को बढ़ावा देने, इसको लेकर सामाजिक कलंक को कम करने तथा जांच और उपचार को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नगालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (एनएसएसीएस) के परियोजना निदेशक आहू सेखोसे ने कहा कि अभियान के तहत 520 विद्यालयों, 110 महाविद्यालयों और 520 गांवों को तक पहुंचा जाएगा, तथा लोक कला, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता सत्र और सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से 5,200 परिवारों तक पहुंचा जाएगा।

बिहार में एसआईआर के जरिए वोटों में हेरफेर की साजिश रच रही है भाजपा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए वोटों में हेरफेर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

यादव झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां आए हैं। वह रामगढ़ जिले में सोरेन के पैतृक गांव नेमरा रवाना हो गए। शिबू सोरेन का चार अगस्त को निधन हो गया था।

रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद यादव ने संवाददाताओं से कहा, भाजपा का सबसे बड़ा काम बुनियादी सवालों के जवाब न मिलने पर षड्यंत्र रचना है। जब उन्हें एहसास हुआ कि बिहार की जनता उनके खिलाफ है, तो उन्होंने एसआईआर के जरिए बड़े पैमाने पर वोटों में हेरफेर करने की साजिश रची। उन्होंने कहा कि अगर एसआईआर की वाकई ज़रूरत होती, तो इसे एक साल पहले

कराया जा सकता था। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होना है। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा पहले लोगों के अधिकारों को छीनती थी। अब वे वोटों में हेराफेरी कर रहे हैं। वे वोट देने का अधिकार भी छीनना चाहते हैं। सपा प्रमुख ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ''वोट चोरी'' के उनके आरोप के समर्थन में हलफनामा क्यों मांगा।

यादव ने कहा, लगभग दो साल पहले, समाजवादी पार्टी ने बताया था कि 2019 (लोकसभा चुनाव) में 18,000 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। जब 2022 (उत्तर प्रदेश विधानसभा) चुनाव हुए, तो उन मतदाताओं के नाम हटाए गए। हमने एक हलफनामे के साथ सबूत दिए और शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

यादव झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के सह-संस्थापक शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए कार से नेमरा गांव के लिए रवाना हुए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, शिबू सोरेन जल, जंगल, जमीन से गहराई से जुड़े नेता थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन आदिवासियों, पीड़ितों और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

यादव ने कहा कि वह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात करेंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा, हेमंत सोरेन जी को न केवल शिबू सोरेन की विचारधारा, बल्कि उनके लंबे और संघर्षपूर्ण जीवन का अनुभव भी विरासत में मिला है। मुझे उम्मीद है कि हेमंत सोरेन उनकी विरासत को आगे बढ़ाएंगे और इस राज्य के नागरिकों को समृद्ध बनाने के लिए काम करेंगे।

मेरठ में फर्जी अंक पत्र गिरोह का पर्दाफाश, सरगना समेत तीन गिरफ्तार

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने उच्च माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक के अंकपत्रों में अवैध रूप से अंक बढ़ाकर छात्रों को उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए इसके सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक यह गिरोह उत्तर प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय परिषद से फर्जी तरीके से पिछली तारीखों के अंकपत्र बनवाने का काम भी करता था। एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेंद्र सिंह (गिरोह सरगना), शिवकुमार और निखिल तोमर के रूप में हुई है, जो सभी मेरठ जिले के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से कंप्यूटर, प्रिंटर, हार्डडिस्क, विभिन्न स्कूलों की मोहरें, उच्च माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के फर्जी अंकपत्र, अन्य प्रमाणपत्र और एक कार बरामद की गई है।

तृणमूल सांसद ने प्रधान न्यायाधीश को लिखा पत्र

आवारा कुत्तों से जुड़े फैसले पर रोक लगाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद साकेत गोखले ने मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई को पत्र लिखकर दिल्ली में आवारा कुत्तों को सड़क से हटाने के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर रोक लगाने की अपील की। शीर्ष अदालत के इस फैसले को लेकर खासकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है।

इसमें एक पक्ष उच्चतम न्यायालय के सोमवार के निर्देश का समर्थन कर रहा है और आवारा कुत्तों से निवासियों को होने वाली असुविधा व रेबीज के खतरे का हवाला दे रहा है जबकि दूसरा पक्ष इसे अव्यावहारिक और अमानवीय बता रहा है। राज्यसभा सदस्य गोखले ने प्रधान न्यायाधीश को लिखे एक पत्र में दलील दी कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 का उल्लंघन करता है। उन्होंने आग्रह किया कि उच्चतम न्यायालय को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मुद्दे का समग्र और मानवीय समाधान सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों व अन्य हितधारकों की एक समिति गठित करने पर विचार करना चाहिए। गोखले ने यह भी कहा कि इस फैसले में बड़ी संख्या में पशु आश्रय स्थल स्थापित करने में आने वाली बाधाओं पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने पत्र में कहा कि इस फैसले का परिणाम यह होगा कि दिल्ली के सभी आवारा कुत्ते ''बेहद अमानवीय परिस्थितियों में निश्चित मौत'' के हवाले कर दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक : वह ऐतिहासिक दस्तावेज जो भारतीय खेलों में बदलाव का वादा करता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक भारत के खेल प्रशासन में सुधार और मानकीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। लोकसभा की मंजूरी के एक दिन बाद मंगलवार को राज्यसभा में व्यापक चर्चा के बाद इस विधेयक को मंज़ूरी मिल गई।

पीटीआई इसकी प्रमुख विशेषताओं का अवलोकन प्रस्तुत करता है जो देश में खिलाड़ी और प्रशासक दोनों के लिए खेल प्रशासन और शिकायत निवारण प्रणाली के कई पहलुओं में आमूलचूल परिवर्तन का वादा करता है। अब इस विधेयक को अधिनियम बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है जिसमें अधिक समय नहीं लगने वाला है। इसके बाद सरकार एक राजपत्र अधिसूचना जारी करेगी।

आयु और कार्यकाल सीमा: यह विधेयक खेल संघों में अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के पद के लिए लगातार तीन कार्यकाल की अवधि को कुल 12 वर्ष तक सीमित करता है। आयु सीमा 70 वर्ष रखी गई है जो संबंधित खेल के अंतरराष्ट्रीय चार्टर और नियमों द्वारा अनुमति मिलने पर नामांकन के समय 75 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है। किसी भी खेल संस्था की कार्यकारी समिति की अधिकतम सदस्य संख्या 15 रखी गई है जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महासंघ पर अधिक वित्तीय बोझ नहीं पड़े। कार्यकारी समिति में कम से कम दो उत्कृष्ट खिलाड़ी और चार महिलाओं को शामिल करना अनिवार्य होगा। यह प्रावधान खेल प्रशासन में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में खिलाड़ियों को एक प्रमुख हितधारक बनाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के अनुरूप है।

राष्ट्रीय खेल बोर्ड: इस विधेयक की सबसे चर्चित विशेषता राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) है जिसके पास सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने या निलंबित करने और यहां तक कि खिलाड़ियों के कल्याण के लिए अंतरराष्ट्रीय महासंघों के साथ 'सहयोग' करने की सर्वोच्च शक्तियां होंगी। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और इसके सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा 'योग्य, ईमानदार और प्रतिष्ठित व्यक्तियों' के बीच से की जाएगी। ये नियुक्तियां एक खोज सह चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी जिसके अध्यक्ष कैबिनेट सचिव या खेल सचिव होंगे।

इस समिति के अन्य सदस्यों में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक, किसी राष्ट्रीय खेल संस्था के अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष रह चुके दो खेल प्रशासक और द्रोणाचार्य, खेल रत्न या अर्जुन पुरस्कार विजेता एक प्रतिष्ठित खिलाड़ी शामिल होंगे। बोर्ड को ऐसी किसी भी राष्ट्रीय संस्था की मान्यता रद्द करने का अधिकार दिया गया है जो अपनी कार्यकारी समिति के लिए चुनाव कराने में विफल रहती है या जिसने 'चुनाव प्रक्रियाओं में घोर अनियमितताएं' की हैं।

इसके अलावा ऑडिट किए गए वार्षिक खातों को प्रकाशित नहीं करने या 'सार्वजनिक धन का दुरुपयोग, अनुचित उपयोग या गबन' करने पर भी एनएसबी से निलंबन हो सकता है लेकिन आगे बढ़ने से पहले संबंधित वैश्विक संस्था से परामर्श करना आवश्यक होगा। केवल मान्यता प्राप्त खेल संगठन ही केंद्र सरकार से अनुदान या कोई अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करने के पात्र होंगे।

राष्ट्रीय खेल पंचाट: खेल मंत्रालय के अनुसार चयन से लेकर चुनाव तक देश की विभिन्न अदालतों में 350 से अधिक मामले लंबित हैं जिससे खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल महासंघों की प्रगति में काफी बाधा आ रही है। राष्ट्रीय खेल पंचाट की स्थापना से यह समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी क्योंकि इसके पास 'एक दीवानी न्यायालय की सभी शक्तियां' होंगी। इसमें एक अध्यक्ष और दो अन्य सदस्य होंगे। पंचाट का प्रमुख उच्चतम न्यायालय का वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश होगा।

इसकी नियुक्तियां भी केंद्र सरकार के हाथों में होंगी जो एक समिति की सिफारिशों पर आधारित होंगी। इस समिति की अध्यक्षता भारत के प्रधान न्यायाधीश या भारत के प्रधान न्यायाधीश द्वारा अनुशंसित उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश करेंगे और इसमें खेल सचिव और विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव शामिल होंगे। केंद्र सरकार के पास वित्तीय अनियमितताओं और 'जनहित' को नुकसान पहुंचाने वाली कार्रवाई सहित अन्य उल्लंघनों के मामले में इसके सदस्यों को हटाने का अधिकार होगा।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पारित होने से महत्वपूर्ण सुधार हासिल : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के पारित होने से भारत के खेल परिदृश्य में बदलाव आएगा और निर्णय प्रक्रिया खिलाड़ी केंद्रित होगी।

लोकसभा से मंजूरी मिलने के एक दिन बाद राज्यसभा में विधेयक पारित होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार अब अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करने के लिए पदक रणनीति बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। मांडविया ने कहा, खेल क्षेत्र में सुशासन लाने के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पहले लोकसभा में और आज राज्यसभा में पारित किया गया। खेल प्रशासन विधेयक के माध्यम से देश में खिलाड़ी केंद्रित माहौल होगा, महासंघों में पारदर्शिता आएगी और विवादों के समाधान में तेजी आएगी। साथ ही महिलाओं और पैरा खिलाड़ियों को प्रतिनिधित्व मिलेगा। इस विधेयक की तीन महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं। राष्ट्रीय खेल बोर्ड, जिसके पास राष्ट्रीय खेल महासंघों को मान्यता देने और उनकी मान्यता रद्द करने का अधिकार होगा। विवादों के त्वरित समाधान के लिए राष्ट्रीय खेल पंचाट और महासंघों के चुनावों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) होगा।

बीवी की कसम खाकर कहो कि गांव में पानी नहीं पहुंचा तो इस्तीफा दे दूंगा : स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ/भाषा। उप्र विस में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रश्नकाल के दौरान राष्ट्रीय जल जीवन मिशन को लेकर प्रश्न पूछने वाले सपा के विधायक फहीम इरफान से कहा कि ''अपनी बीवी की कसम खाकर कहो कि आपके गांव में पानी नहीं पहुंचा है तो मैं इस्तीफा दे दूंगा''। विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सपा विधायक फहीम इरफान ने कहा कि जल जीवन मिशन की हालत बहुत खराब है।

सपा विधायक ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन आने के बाद हैंडपंप की व्यवस्था खत्म कर दी गई और जिन ठेकेदारों को काम दिया गया, उन्होंने विकास के सारे काम तोड़ दिए। इरफान ने कहा कि सड़क तोड़ी फिर पानी के टैंक बनाए और हालत बहुत खराब है, कई जगह टंकियां गिरी हैं। जल शक्ति मंत्री ने कहा, मैं इरफान से कहता हूं कि अपनी बीवी की कसम खाकर कहें कि उनके गांव में पानी नहीं पहुंचा तो मैं गारंटी से कह रहा हूं कि अगर उनके गांव में पानी नहीं पहुंचा होगा तो मैं आज ही इस्तीफा दे दूंगा। इसके जवाब में फहीम ने कहा, मंत्री जी बीवी की कसम खाने की बात ना करें, एक जिले की जांच करा लें, यह बीवी की कसम खाने की बात कर रहे हैं, मैं विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा। इसके पहले उनके मूल प्रश्न पर स्वतंत्र देव सिंह ने कहा था कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश में कुल 5,63,952 किमी. प्रस्तावित वितरण प्रणाली के सापेक्ष कल 5,15,995 किमी. वितरण प्रणाली बिछाई है। इसके चलते 1,96,822 किलोमीटर सड़क क्षतिग्रस्त हुई हैं और इन क्षतिग्रस्त सड़कों के सापेक्ष 1,90,605 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है।

बर्मिंघम में लगाया दोहरा शतक हमेशा याद रहेगा

गिल ने आईसीसी पुरस्कार जीतने के बाद कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में 754 रन बनाने वाले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को आईसीसी का महीने (जुलाई 2025) का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने के बाद कहा कि एजबेस्टन में टीम की जीत में

योगदान देने वाला उनका दोहरा शतक उन्हें हमेशा याद रहेगा।

गिल ने इस दौरे पर युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर काफ़ी प्रेरित किया। उन्होंने पांच मैचों की इस शृंखला में चार शतक लगाए जिससे विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की गैरमौजूदगी में भी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रही। गिल ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला वियन मुल्डर को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। गिल ने उम्मीद जताई कि वह आने वाले सत्र में भी अपनी इस लय को जारी रखेंगे।

खेल विधेयक से ठहराव दूर होगा, प्रशासन में पारदर्शिता आएगी : पीटी ऊषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा की मनोनीत सदस्य पीटी ऊषा ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि इससे दशकों से चला आ रहा ठहराव दूर होगा और देश के खेल प्रशासन में ''पारदर्शिता और जवाबदेही'' सुनिश्चित होगी।

राज्यसभा में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक पर एक साथ हुई चर्चा में भाग लेते हुए ऊषा ने राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) की स्थापना सहित इसके प्रावधानों की सराहना की। लोकसभा ने एक दिन पहले ही दोनों विधेयकों को मंजूरी दी थी। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष ऊषा ने कहा, आज का दिन व्यक्तिगत

और राष्ट्रीय महत्व का है। मुझे इस दिन का लंबे समय से इंतज़ार था। उन्होंने पिछले साल इस विधेयक का विरोध करते हुए इसे सरकारी हस्तक्षेप बताया था और आगाह किया था कि कि भारत को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद उन्होंने अपनी राय बदल ली। ऊषा ने कहा, मैं आपको 1984 में ले जाती हूं, मैं उस समय सिर्फ 20 साल की था जब मैं लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतने से चूक गई थी। उस दिन मेरा दिल टूट गया था... हमारे दिलों में जो सपने थे, उन्हें पूरा करने के लिए कोई व्यापक खेल कानून नहीं था। उन्होंने कहा, तब से चार दशक बीत गए, ठहराव वाली यथास्थिति को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया गया... आज उम्मीदें कानून में बदल गई हैं। यह एक दूरदर्शी और लंबे समय से प्रतीक्षित विधेयक है। ऊषा ने कहा कि यह विधेयक पारदर्शिता, जवाबदेही और लैंगिक समानता लाएगा तथा एथलीटों को सशक्त बनाएगा और प्रायोजकों तथा महासंघों के बीच विश्वास पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक न्याय और निष्पक्षता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि विधेयक में एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक व्यवस्था बनाने पर जोर दिया गया है और इससे 2036 के ओलंपिक की दावेदारी में भारत को मदद मिलेगी।

सुविचार

अगर आप सोचते हैं कि आप कर सकते हैं या नहीं कर सकते, आप दोनों ही मामलों में सही हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवैध प्रवास : सुनहरे सपने, कड़वी हकीकत

ब्रिटेन में अवैध तरीके से काम कर रहे कई भारतीयों समेत सैकड़ों लोगों की गिरफ्तारी ने एक बार फिर उन परिवारों की चिंता बढ़ा दी है, जिन्होंने विदेश की कमाई के लिए अपना सबकुछ गिरवी रख दिया था। इससे पहले, अमेरिका में बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई थी, जिसके तहत कई भारतीयों को जंजीरों में जकड़कर सैन्य विमान से स्वदेश भेजा गया था। ऐसी घटनाओं से हमारे देश की छवि पर नकारात्मक असर पड़ता है। लोग जिस तरह खतरनाक रास्तों से सफर करते हुए विदेश जाते हैं, वहां अवैध तरीके से रहते और काम करते हैं, उससे मन सदैव आशंकाओं से घिरा रहता है। क्या पता कब पकड़े जाएं या किसी मुसीबत में फंस जाएं! इन लोगों को शोषण का भी सामना करना पड़ता है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने जो आपबीती बताई, उससे पता चलता है कि ये बहुत मुश्किल हालात में रहते हैं और इन्हें सरकार द्वारा तय किए गए वेतन से कम रुपए मिलते हैं। ये चाह कर भी शिकायत नहीं कर सकते, क्योंकि उस स्थिति में खुद ही फंस सकते हैं। आज अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस जैसे संपन्न देशों में अवैध प्रवासियों के खिलाफ माहौल बन रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बाहर से आए लोग उनकी नौकरियों और संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। वहां राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे में वोटबैंक की संभावना ढूंढ़ ली है। प्राय: यह तर्क दिया जाता है कि अवैध प्रवासियों में से ज्यादातर लोग बहुत गरीब हैं, उन्हें भारत में कोई रोजगार नहीं मिला, इसलिए उन्होंने विदेश का रुख किया। हालांकि जब पूछा जाता है कि अवैध तरीके से विदेश जाने के लिए कितने रुपए दिए थे, तो जवाब मिलता है– तीस लाख, पचास लाख! कई लोगों ने इससे भी ज्यादा रकम दी थी।

अगर घर में इतने रुपए थे या किसी से कर्ज लिया था, तो यहीं रहकर इससे स्वरोजगार किया जा सकता था। जिसके पास इतनी बड़ी रकम हो, उसे गरीब नहीं कहा जा सकता। अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में अवैध प्रवासी क्या काम करते हैं? वे रेस्तरां, कंस्ट्रक्शन साइटस, गैस स्टेशनों, किराना दुकानों, होम डिलीवरी, घरेलू काम, खेतों में मजदूरी आदि करते हैं। क्या इन कामों की अपने देश में कमी है? अगर कोई व्यक्ति भारत में रहकर मेहनत और समझदारी से ये काम करे तो कुछ ही वर्षों में आत्मनिर्भर बन सकता है। ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं। फिर, विदेश जाने का मोह क्यों? ऐसा तो नहीं है कि कोई कंपनी इन लोगों को बॉर्डर पार करते ही सीईओ बना देगी! दरअसल विदेश जाकर इनकी मुसीबतें कम नहीं होतीं, बल्कि वहां रोजाना ही संघर्ष करना पड़ता है। भारतीय समाज में विदेश में नौकरी करने का बहुत महिमामंडन कर दिया गया है। फिल्मों, धारावाहिकों ने इन देशों की ऐसी छवि बना दी है कि उन्हें देखकर कई युवा इस भ्रम के शिकार हो जाते हैं कि वहां हर कोई मौज कर रहा है। हालांकि वास्तविकता इससे कहीं अलग है। अगर कोई व्यक्ति अमेरिका में दो लाख रुपए भी हर महीने बचाता है तो यह रकम बहुत कम है। वहां किराया, रोजमर्रा के खर्चे बहुत ज्यादा हैं। प्रॉपर्टी की कीमतें इतनी ऊंची हैं कि हर महीने इतनी बचत करने के बावजूद ज़िंदगी जद्दोजहद में निकल जाएगी। अगर इस बीच पकड़े गए तो सबकुछ गंवा बैठेंगे। अवैध प्रवासियों को जो नौकरियां मिलती हैं, उनमें वेतन तुलनात्मक रूप से कम होता है। वे अस्थिर होती हैं। ये लोग नकद भुगतान लेना ज्यादा पसंद करते हैं, ताकि पहचान उजागर न हो। विदेश में अपमान का सामना कर डरते हुए नौकरी करने से बेहतर है कि कोई काम सीखकर अपने देश में स्वरोजगार करें। अगर उतनी मेहनत यहां करेंगे तो कहीं ज्यादा तरक्की कर लेंगे।

ट्वीटर टॉक

प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के क्रम में आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में किसान बंधुओं के साथ पौधा रोपा। हर पौधा स्वस्थ जीवन और स्वस्थ धरती का आधार है। उत्तम वर्तमान और श्रेष्ठतम भविष्य के लिए आप भी पौधरोपण अवश्य कीजिये।

–शिवराजसिंह चौहान

'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024' से जुड़े चजणी के क्रियान्वयन तथा आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाले भव्य आयोजन की तैयारियों के संबंध में मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारियों के साथ बैठक ली।

–भजनलाल शर्मा

आज जयपुर में रूमा देवी फाउंडेशन व गढ़वाल फैमिली फाउंडेशन द्वारा आयोजित रूमा देवी सुगणी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति कार्यक्रम में सम्मिलित होकर क्षेत्र के प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित कर सभी का उत्सवर्धन किया।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

नि:स्वार्थ सेवा का संकल्प

जर्मनी में ओवर लिन नामक दानवीर का बड़ा नाम था। शहर में न जाने कितने ही स्कूल, चर्च, सराय आदि उसने बनवाए थे। किसी को भी, किसी प्रकार की आवश्यकता होती तो वह सबसे पहले ओवर के पास ही आता। एक बार ओवर को अपने शहर से कहीं दूर जाना पड़ा। रास्ते में अचानक बर्फीला तूफान आया और ओवर रास्ता भटक गया। उसकी गाड़ी भी बर्फ के दलदल में फंस गई। ओवर किसी मदद की उम्मीद ही छोड़ बैठा था। संयोग से गाड़ी की जलती बत्तियां देखकर एक गरीब मज़दूर विली वहां आ पहुंचा और मदद की पेशकश की। ओवर के हां कहने पर वह अपने कुछ और साथियों को भी वहां बुला लाया। गाड़ी दलदल से बाहर निकाल दी। इसके बाद वह ओवर को अपने घर ले गया और उसे गर्म कॉफी और नाश्ता दिया। ओवर ने अभिभूत होकर अपनी जेब का सारा पैसा निकालकर विली के हाथ में रख दिया। मगर विली ने वह सारा पैसा वापस ओवर को लौटा दिया। इस पर ओवर ने उसे सीने से लगाते हुए कहा, 'भाई, कृपया अपना नाम तो बता दो।' यह सुनकर विली बोला, 'क्या आप मुझे सामने दिख रहे चर्च के परोपकारी निर्माता का नाम बता सकते हैं।'

सामयिक

टूटी छतों और दीवारों के बीच कैसे पलेगी शिक्षा की नींव?

डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

भारत में लाखों सरकारी विद्यालय जर्जर हालत में हैं। टूटी छतें, दरारों वाली दीवारें, पानी व शौचालय का अभावये बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई दोनों पर खतरा हैं। पिछले नौ वर्षों में 89 हज़ार सरकारी स्कूल बंद हुए, जिससे शिक्षा में अमीर-गरीब की खाई और गहरी हुई। शिक्षा का अधिकार कानून सुरक्षित भवन की गारंटी देता है, लेकिन ज़मीनी हकीकत अलग है।

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है और विद्यालय उसके मंदिर। यह वह स्थान है जहाँ बच्चों के सपनों को आकार मिलता है, विचारों को पंख मिलते हैं और भविष्य की नींव रखी जाती है। परंतु दुख की बात है कि भारत में, विशेषकर ग्रामीण इलाकों और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में, इन मंदिरों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। अनेक विद्यालयों में छतें टूटी हुई हैं, दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें हैं, बरसात में पानी टपकता है, खिड़कियाँ टूटी हुई हैं, बेंच जर्जर हो चुकी हैं और पीने के पानी तथा शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ ज़िले में एक सरकारी विद्यालय की जर्जर दीवार गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत हो गई। यह घटना किसी एक विद्यालय या राज्य तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। हर बार जब ऐसी दुर्घटना होती है, तो कुछ दिन तक चर्चा होती है, परंतु फिर सब सामान्य हो जाता है, और समस्या जस की तस बनी रहती है। सवाल यह है कि क्या हमें बच्चों की जान जाने के बाद ही जागना होगा?

शिक्षा मंत्रालय के ताज़ा आँकड़े बताते हैं कि भारत में पंद्रह लाख से अधिक प्राथमिक और डेढ़ लाख से अधिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहाँ भवनों की देखभाल पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। लाखों विद्यालयों में आज भी लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं, पीने के पानी की व्यवस्था अधूरी है और अनेक राज्यों में लगभग एक-तिहाई विद्यालय जर्जर या अर्ध-जर्जर स्थिति में हैं।

शिक्षा का अधिकार कानून दो हज़ार नौ ने छह से चौदह वर्ष के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी दी थी। इस कानून में यह भी स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि प्रत्येक विद्यालय का भवन सुरक्षित, सुसज्जित और बच्चों के अनुकूल होना चाहिए। लेकिन सच्चाई यह है कि काग़ज़ी प्रावधान ज़मीन पर लागू नहीं हुए। जर्जर भवनों में पढ़ने वाले बच्चों पर हर दिन खतरा मंडराता है, और शिक्षा का अधिकार केवल पुस्तकों में सीमित होकर रह जाता है।

बीते नौ वर्षों में देश भर में नवासी हज़ार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद हो चुके हैं। कारण बताया जाता है कि इन विद्यालयों में नामांकन कम हो गया, लेकिन असली वजह यह है कि विद्यालयों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और सुविधाओं के अभाव ने बच्चों और अभिभावकों का विश्वास तोड़ दिया। अभिभावक चाहते हैं कि बच्चे सुरक्षित वातावरण में पढ़ें, इसलिए वे निजी विद्यालयों का रुख करते हैं, भले ही उसके लिए उन्हें कर्ज़ क्यों न लेना पड़े।

परिणाम यह है कि अमीर परिवारों के बच्चे बेहतर सुविधाओं वाले विद्यालयों में पढ़ते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों के बच्चे जर्जर सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई करते हैं या फिर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं। इससे शिक्षा में गहरी असमानता पैदा हो रही है। जब एक बच्चा वातानुकूलित कक्ष, आधुनिक शिक्षण सामग्री और पुस्तकालय में पढ़ता है और दूसरा बच्चा टूटी बेंच, सीलनभरी दीवारों और टपकती छत के नीचे बैठता है, तो दोनों के लिए समान अवसर कैसे संभव होंगे? यह असमानता केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि आगे चलकर रोजगार, आय और सामाजिक स्थिति पर भी असर डालती है। शोध बताते हैं कि असुरक्षित और असुविधाजनक वातावरण में पढ़ने वाले बच्चों में तनाव अधिक होता है, वे विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो पाते और पढ़ाई छोड़ने की संभावना भी बढ़ जाती है। बरसात के मौसम में कक्षाओं में पानी भर जाता है, गर्मियों में बिना पंखे और हवा के क्लास में बैठना मुश्किल हो जाता है, और सर्दियों में टूटी खिड़कियों से आती ठंडी हवा बच्चों के स्वास्थ्य पर असर डालती है। हमारे देश में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो दशमलव नौ प्रतिशत ही खर्च होता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम से कम छह प्रतिशत की सिफारिश की जाती है। भवनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए जो राशि तय होती है, वह ज़रूरत के मुकाबले बहुत कम है। इसके अलावा, जो राशि मंजूर होती भी है, वह अक्सर नौकरशाही की धीमी प्रक्रिया, ठेकेदारी में भ्रष्टाचार और निगरानी की कमी के कारण पूरी तरह खर्च नहीं हो पाती। यदि स्थिति सुधारनी है तो सबसे पहले विद्यालय भवनों की मरम्मत और सुरक्षा के लिए विशेष कोष बनाया जाए, जिसमें राज्य और केंद्र दोनों मिलकर धन दें। इस कोष का उपयोग पारदर्शी ढंग से हो और प्रत्येक खर्च का हिसाब सार्वजनिक किया जाए। हर सरकारी विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो, जिसमें भवन की मजबूती, फर्नीचर, बिजली और पानी की व्यवस्था, शौचालय और खेल के मैदान जैसी सुविधाओं का मूल्यांकन किया जाए। पंचायत, अभिभावक और स्थानीय समाजसेवी संस्थाएँ निगरानी में शामिल हों, ताकि धन के दुरुपयोग पर रोक लग सके।

प्रत्येक खंड स्तर पर ऐसे त्वरित मरम्मत दल बनाए जाएँ, जो वर्षा, भूकंप, तूफान या किसी अन्य आपदा के बाद तुरंत विद्यालयों की मरम्मत कर सकें। मरम्मत और निर्माण के काम में स्थानीय मज़दूरों और कारीगरों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि गाँव में ही रोज़गार भी पैदा हो और काम की गुणवत्ता पर भी निगरानी बनी रहे। लेकिन केवल भवन सुधारने से समस्या हल नहीं होगी। शिक्षकों की पर्याप्त नियुक्ति, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, खेल का सामान और आधुनिक शिक्षण साधनों की उपलब्धता भी उतनी ही ज़रूरी है। विद्यालय का वातावरण तभी प्रेरणादायक बनेगा, जब बच्चे वहाँ सुरक्षित महसूस करें और उन्हें सीखने के लिए सभी साधन उपलब्ध हों।

विद्यालय भवन केवल ईंट-पत्थर का ढाँचा नहीं होते, वे बच्चों के सपनों और भविष्य की रक्षा करने वाले किले होते हैं। जब यह किला ही कमजोर और जर्जर हो, तो शिक्षा की नींव कैसे मजबूत होगी? समय आ गया है कि सरकार, समाज और नागरिक सभी मिलकर इन मंदिरों की मरम्मत में जुट जाएँ। शिक्षा में निवेश केवल खर्च नहीं है, बल्कि सबसे लाभकारी पूँजी-निवेश है, क्योंकि एक सुरक्षित और शिक्षित बच्चा ही कल का जिम्मेदार नागरिक बनता है। यदि हम आज इन टूटी दीवारों और छतों को नहीं सँभालेंगे, तो कल हमारी आने वाली पीढ़ियाँ इन्हीं मलबों के बीच अपने सपनों की तलाश करेंगी। यह केवल विद्यालय भवनों को सँभालने का सवाल नहीं है, यह भारत के भविष्य को सँभालने का सवाल है।

नजरिया

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई।

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है।

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निर्माताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे नि:शुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा सेवा और संस्कार के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निर्माता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है।

इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सिंधु जल संधि को स्थगित करने का भारत का फैसला सिंधु घाटी सभ्यता पर हमला : बिलावल

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने कहा है कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने का भारत का फैसला सिंधु घाटी सभ्यता और संस्कृति पर हमला है।

बिलावल ने सोमवार को सिंधी संत शाह अब्दुल लतीफ भिटाई की दरगाह पर तीन-दिवसीय वार्षिक उत्सव के समापन समारोह में यह भी कहा कि पाकिस्तान हमेशा शांति की

वकालत करता है, लेकिन अगर भारत उसे युद्ध के लिए मजबूर करता है, तो देश पीछे नहीं हटेगा।

उन्होंने कहा, अगर युद्ध हुआ तो शाह अब्दुल लतीफ भिटाई की धरती से हम मोदी सरकार को संदेश देंगे कि हम पीछे नहीं हटेंगे, हम झुकेंगे नहीं और अगर आपने सिंधु नदी पर हमला करने की हिम्मत की तो पाकिस्तान के हर प्रांत के लोग आपका मुकाबला करने के लिए तैयार रहेंगे। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल ने कहा कि सिंधु नदी न केवल देश का एकमात्र प्रमुख जल संसाधन है, बल्कि यह देश के लोगों के संपूर्ण इतिहास से भी गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, सिंधु सभ्यता इस नदी से जुड़ी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि सिंधु नदी पर हमला ''हमारी सभ्यता, हमारे इतिहास और हमारी संस्कृति पर हमला है''। बिलावल ने दुनिया के सामने पाकिस्तान का रुख़ पेश करने के अपने प्रयासों के बारे में कहा कि 20 करोड़ लोगों की पानी की आपूर्ति बंद करने की धमकियों के ख़िलाफ़ पाकिस्तान की आवाज़ दुनिया भर में उठी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लोगों में दुश्मन का सामना करने और उनसे छह नदियां वापस लेने की पर्याप्त ताकत है।

हर घर तिरंगा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस गर्ल्स गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज लखनऊ की छात्राएँ और प्राध्यापकगण मंगलवार को ललित कला अकादमी, संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित आज़ादी का अमृत महोत्सव के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 'तिरंगा यात्रा' में भाग लेते हुए।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों के लिए परेशानी का सबब बने 'बेडरूम जिहादी'

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां 'बेडरूम जिहादियों' के रूप में एक नए और प्रच्छन्न खतरे से जूझ रही हैं। ये वे लोग हैं जो अपने घरों की सुरक्षित चारदीवारी में रहकर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर गलत सूचना फैलाते हैं और सांप्रदायिक तनाव भड़काते हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार का शत्रु पारंपरिक सशस्त्र आतंकवादियों से बहुत अलग है और क्षेत्र को अस्थिर करने के लिए सीमा पार से जारी पेचीदा प्रयासों के केंद्र में है।

इस संबंध में एक गहन जांच में विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के एक नेटवर्क का पता चला है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह पाकिस्तान में आतंकवादी समूहों और उनके समर्थकों द्वारा नियंत्रित है, जो स्थानीय डिजिटल क्षेत्र में सक्रिय रूप से घुसपैठ कर रहे हैं तथा कश्मीर घाटी में सांप्रदायिक तनाव और अशांति पैदा करने के स्पष्ट उद्देश्य से भड़काऊ सामग्री एवं दुष्प्रचार का प्रसार कर रहे हैं।

घटनाक्रम से अवगत एक अधिकारी ने कहा, वर्षों तक सशस्त्र आतंकवादियों से लड़ने के बाद, सुरक्षा एजेंसियां इस छिपे हुए दुश्मन का सामना कर रही हैं, जिसमें ये नए युग के जिहादी कंप्यूटर और स्मार्टफोन का उपयोग करके कहीं से भी युद्ध छेड़ते हैं, अफवाहें फैलाते हैं और युवाओं को प्रभावित करते हैं।

यह प्रवृत्ति 2017 में उभरी थी, लेकिन 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने के साथ प्रभावी कार्रवाई के बाद यह समाप्त हो गई।

अंबानी परिवार देश का सबसे अमीर कारोबारी घराना

मुंबई/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाला अंबानी परिवार 28 लाख करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ देश का सबसे समृद्ध कारोबारी घराना है जबकि अदाणी परिवार 14.01 लाख करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। शोध एवं रैंकिंग फर्म हुरुन ने कारोबारी घरानों की संपत्ति में पिछले एक साल में आए बदलाव पर यह रिपोर्ट बार्कलेज के साथ मिलकर तैयार की है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 300 सबसे मूल्यवान परिवारों की कुल संपत्ति 140 लाख करोड़ रुपए (1.6 लाख करोड़ डॉलर) से अधिक है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 40 प्रतिशत है।

अकेले अंबानी परिवार की ही संपत्ति देश की जीडीपी के 12 प्रतिशत के बराबर है। पिछले एक साल में अंबानी परिवार की संपत्ति में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके साथ अंबानी परिवार ने देश में सबसे अधिक संपत्ति वाले परिवार के तौर पर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वहीं, गौतम अदाणी की अगुवाई वाले अदाणी परिवार को 'पहली पीढ़ी के उद्यमी' के तौर पर शुरू सबसे मूल्यवान पारिवारिक कारोबार का मालिक बताया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की संपत्ति 20 प्रतिशत बढ़कर 6.47 लाख करोड़ रुपए हो गई। इसी के साथ यह परिवार कई पीढ़ियों वाले कारोबारी घराने की सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच गया। जिंदल परिवार भी 21 प्रतिशत उछाल के साथ 5.70 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ एक स्थान ऊपर चला गया। वहीं, बजाज परिवार संपत्ति में 21 प्रतिशत गिरावट के चलते चौथे स्थान पर खिसक गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि शीर्ष 300 कारोबारी परिवारों ने पिछले साल रोजाना औसतन 7,100 करोड़ रुपए की संपत्ति बनाई। इस दौरान एक अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाले परिवारों की संख्या 37 बढ़कर 161 हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची में शामिल एक चौथाई से अधिक कारोबार शेयर बाजारों में सूचीबद्ध नहीं हैं।

सूची में शामिल 89 प्रतिशत कारोबार भौतिक उत्पादों की बिक्री करते हैं जबकि 11 प्रतिशत सेवाएं प्रदान करते हैं।

सर्वाधिक संपत्ति वाले कारोबारी घरानों में मुंबई से 91, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से 62 और कोलकाता से 25 परिवार इस सूची में शामिल हैं। वहीं, 62 परिवार अब पेशेवर मुख्य कार्यपालक नियुक्त कर कारोबार चला रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच वर्षों में करीब 130 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति इन परिवारों की अगली पीढ़ी को हस्तांतरित होने का अनुमान है।

प्रदर्शन

बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरोध में मंगलवार को नई दिल्ली में संसद भवन के मकर द्वार की सीढ़ियों पर प्रदर्शन करते हुए ब्लॉक के सांसद।

अब अच्छी फिल्में बनाना बहुत मुश्किल है : जैकी चैन

लॉस एंजिलिस/भाषा। हॉलीवुड स्टार जैक चैन का कहना है कि इस समय हॉलीवुड में अच्छी फिल्में बनाना मुश्किल है क्योंकि सब कुछ गुणवत्ता के बजाय व्यवसाय पर केंद्रित है। चैन की 'द फियरलेस हाइना' (1979), हू एम आई?' (1998) और 'पुलिस स्टोरी' (1985) जैसी परियोजनाओं में अहम भूमिकाएं रही हैं। वह शनिवार को लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए, जहां उन्हें 'करियर अचीवमेंट' सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान ग्रहण करने के बाद चैन ने संवाद सत्र में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने फिल्मों को लेकर अपनी राय रखी। चैन (71) ने कहा कि पुरानी फिल्में आज की फिल्मों से कहीं बेहतर हैं। मनोरंजन समाचार संस्था ' वैरायटी' के अनुसार चैन ने कहा, मुझे लगता है कि पुरानी फिल्में आज की फिल्मों से बेहतर हैं... आजकल, कई बड़े

स्टूडियो, फिल्म निर्माता नहीं, बल्कि व्यवसायी हैं। वे चार करोड़ डॉलर निवेश करते हैं और सोचते हैं, 'मैं इसे कैसे वापस पाऊंगा?' और आप इससे ज़्यादा नहीं कर सकते। आजकल एक अच्छी फिल्म बनाना बहुत मुश्किल है। चैन फिल्मों में खुद ही साहसिक स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने निर्देशन में भी हाथ आजमाया है और स्टंट समन्वयक, निर्माता के रूप में काम किया है, और दो आत्मकथाएं भी लिखी हैं।

'जॉली एलएलबी 3' का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

'जॉली एलएलबी 3' में अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी को एक बार फिर साथ देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। वहीं, मेकर्स भी इनकी उत्सुकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी एक वीडियो पोस्ट की थी, और अब मोशन पोस्टर साझा किया है। स्टार स्टूडियोज ने इंस्टाग्राम पर एक मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी एक दरवाजे के अंदर प्रवेश करने के लिए एक-दूसरे से लड़ते नजर आ रहे हैं। पोस्टर में अक्षय थोड़े अग्रेसिव मूड में नजर आ रहे हैं, वहीं अरशद भी हाथों में कानूनी कागज लिए आड़ा-टेढ़ा मुंह बनाए हुए हैं। मेकर्स ने पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, केस नंबर 1722 की याचिका हुई मंजूर! एडवोकेट जॉली (अक्षय कुमार) और एडवोकेट जॉली (अरशद वारसी) हाजिर हों! फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का टीजर कल रिलीज होगा।

इससे पहले मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी, जिसमें अभिनेता सौरभ शुक्ला (जो जज सुंदरलाल त्रिपाठी का किरदार निभा रहे हैं), जॉली (अक्षय कुमार और अरशद वारसी) के साथ अपनी परेशानियों को हास्यपूर्ण अंदाज में बयां करते नजर आए थे। वीडियो में जज त्रिपाठी अपनी जिंदगी की मुश्किलों का जिक्र करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी फूलों की सेज थी, फिर आया जगदीश त्यागी, यानी जॉली 1 (अरशद वारसी)। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा हो जाता था और अंग्रेजी तो उसे बिल्कुल नहीं आती थी। जिसे 'प्रॉसिक्यूशन' और 'प्रॉस्टिट्यूशन' में फर्क नहीं पता, उसका क्या कर सकते हैं? उसकी वजह से मुझे बाइपास सर्जरी करवानी पड़ी। इसके बाद, सौरभ शुक्ला जॉली 2 (अक्षय कुमार) की शरारतों का जिक्र करते हुए कहते हैं, फिर मेरी जिंदगी में आया जगदीश्वर मिश्रा, यानी जॉली 2 (अक्षय कुमार), जो एकदम बदमाश है। नैतिकता तो छोड़िए, ये किसी का गुर्दा तक बेच दे। जैसा इसका सरनेम मिश्रा, वैसा ही ये, मीठा जहर, जिसने मेरी पत्नी को हार्ट अटैक दे दिया। अब किस्मत का खेल ऐसा है कि दोनों जॉली एक साथ मेरी जिंदगी में वापस आ रहे हैं। फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर हैं और प्रोड्यूसर आलोक जैन और अजीत अंधारे हैं। वहीं, इसके सह-प्रोड्यूसर नरेन कुमार और डिंपल खरबंदा हैं। फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिकुड़ते पारसी समुदाय की कहानी बयां करती है बांग्ला फिल्म 'हाउ आर यू फिरोज'

कोलकाता/भाषा। बांग्ला फिल्म 'हाउ आर यू फिरोज'में प्रसिद्ध फिल्मकार अशोक विश्वनाथन एक काल्पनिक निर्देशक की अहम भूमिका रहे हैं, जो प्राचीन वस्तुओं के एक पारसी विक्रेता पर केंद्रित है और सिकुड़ते इस समुदाय की कहानी बयां करती है। रूपसा गुहा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कई अंतराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित होने और प्रशंसा पाने के बाद, यह पुरस्कार विजेता फिल्म इस महीने के अंत में भारतीय सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी।

गुहा के मुताबिक मुख्य पात्र, फिरोज, एक प्राचीन और ऐतिहासिक मूर्तियों, चित्रकला आदि का व्यापारी है, जो अपनी कलाकृतियों से बहुत जुड़ा हुआ है, जिनमें से प्रत्येक के साथ एक निजी कहानी जुड़ी हुई है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, युवा होने के नाते, वह अपने माता-पिता और उस लड़की से बहुत प्यार करता है, जिसके साथ वह बड़ा हुआ है। साथ ही, उसे अपने

आस-पास की कलाकृतियों से भी बहुत प्यार था। समय के साथ, उसे एक-एक करके इनसे अलग होना पड़ा।

गुहा ने कहा, यह फिल्म एक प्राचीन कलाकृति विक्रेता की कहानी के माध्यम से पहचान, लालसा और लचीलेपन के विषयों पर प्रकाश डालती है। उन्होंने कहा, ''यह एक भावनात्मक कहानी है, जो दिखाती है कि भावनाएं भाषा और जाति से परे कैसे होती हैं। उसे पैसों के लिए अपनी कुछ बेशकीमती कलाकृतियां बेचनी पड़ती हैं, लेकिन प्रियजन के पत्रों सहित उन वस्तुओं से भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण उसे एक दर्दनाक दुविधा का सामना करना पड़ता है। गुहा ने इस फिल्म में आर्यन भौमिक, अशोक विश्वनाथन और अनुषा विश्वनाथन को भूमिकाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि कहानी इस बात को रेखांकित करती है कि ''भावनाएं धार्मिक और भाषाई पहचान पर हावी हैं। उन्होंने कहा, फिरोज प्यार और पारस्परिकता चाहता था और शायद उसे मिल भी गया। अंततः कला की दुनिया उसे आजादी का भाव देती है। यह मेरी कहानी है, आपकी कहानी है, हमारी कहानी है... एक कला प्रेमी की कहानी है। हाउ आर यू फिरोज' को एशियाई स्वतंत्र फिल्म महोत्सव 2025 और टोरंटो अंतरराष्ट्रीय महिला फिल्म महोत्सव 2023 के लिए आधिकारिक रूप से चुना गया था। इसने बर्लिन इंडी फिल्म महोत्सव 2024 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, कोडईकनाल अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ पटकथा और भारतीय पैनोरमा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता है।

'वॉर-2' के इवेंट में फैंस का प्यार देख भावुक हुए जूनियर एनटीआर

मुंबई/एजेन्सी

जूनियर एनटीआर फेमस एक्टर हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। 14 अगस्त को उनकी फिल्म 'वॉर 2' रिलीज होने जा रही है। अपनी करिश्माई पर्सनैलिटी और बेमिसाल ऑन-स्क्रीन चार्म के लिए मशहूर एक्टर को हाल ही में हैदराबाद में एक इवेंट में देखा गया। यहां वह अपनी फिल्म 'वॉर-2' को प्रमोट करने पहुंचे थे। उनके होम सिटी में हुए इस इवेंट ने फैंस को दीवाना बना दिया। वाईआरएफ ने फैंस के बीच एनटीआर के जबरदस्त क्रेज को देखते हुए हैदराबाद को लोकेशन के तौर पर चुना। इस इवेंट में जूनियर एनटीआर अपने प्रति जबरदस्त प्यार देख भावुक हो गए। उन्होंने यहां पर क्लोजिंग स्पीच दी और कहा, मेरे करियर की शुरुआत 25 साल पहले निन्नू चूडालानी फिल्म से हुई थी, जिसे दिवंगत रामोजी राव के बैनर तले लॉन्च किया गया था। उस दिन मैं अकेला था, सिर्फ मेरे माता-पिता साथ थे। मैंने अपने

पहले फैन, अदोनी के मुजीब से पूछा, 'तुम कौन हो?' उन्होंने कहा, 'मैं आपका फैन हूं सर, आपके लिए जान भी दे सकता हूं।' तब तक मेरी कोई फिल्म रिलीज भी नहीं हुई थी। उस दिन से आज तक, लाखों फैंस को इस सफर में मेरे साथ देखना, पिछले जन्मों का आशीर्वाद है।

14 अगस्त को उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'वॉर 2' रिलीज होने वाली है। इसमें जूनियर एनटीआर, ऋतिक रोशन के अपोजिट होंगे। इसे अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है। इसमें कियारा आडवाणी भी अहम रोल में हैं। इसके बाद जूनियर एनटीआर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। इनमें 'एनटीआर नील' नाम की एक दमदार एक्शन फिल्म भी है, जिसे केजीएफ फेम प्रशांत नील डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म 25 जून 2026 को रिलीज होगी और इसे मायथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स बना रहे हैं। इसके अलावा, वह त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक भव्य पौराणिक फिल्म भी कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान कुमारस्वामी का दिव्य किरदार निभाएंगे।

'बागी-4' का टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म 'बागी-4' का इंतजार लंबे समय से था। इसका टीजर सोमवार को रिलीज कर दिया गया। इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर से रॉनी के रोल में वापसी कर रहे हैं, मगर इस बार उनका किरदार काफी उग्र होने जा रहा है। उनके किरदार में गुस्से और बदले की भावना देखने के लिए मिलेगी, जिससे यह पहले से भी ज्यादा खतरनाक होने वाला है। इसके टीजर में एक ऐसे आशिक की कहानी है, जो बदला लेने के लिए निकला है। उसका सामना होता है संजय दत्त के किरदार से, जो देखने में उनसे भी हिंसक और खूंखार लग रहा है। टीजर में काफी हिंसा और खून-खराबा दिख रहा है।

टीजर को मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर रिलीज किया है। इसके कैप्शन में लिखा है, बचने का कोई रास्ता नहीं। कोई रहम नहीं। खुद को संभालो, एक खूनी, हिंसक प्रेम कहानी शुरू होती है।

फिल्म में दो एक्ट्रेस भी हैं जो फरसे और चाकू चलाती दिख रही हैं। पहली हैं सोनम बाजवा, जो इस फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाते हुए दमदार रोल में दिखाई देंगी। उन्हें भी एक्शन सीन करते देखा जा रहा है। ये दिखाता है कि वे ग्लैमर के साथ ही मारधाड़ करने में भी माहिर हैं। 'हाउसफुल-5' के बाद साजिद नाडियाडवाला के साथ ये उनकी दूसरी फिल्म है।

'बागी-4' में इस बार साजिद नाडियाडवाला मिस यूनिवर्स हरनाज संधू को लेकर आए हैं।

फिल्म की वो दूसरी लीड एक्ट्रेस हैं, और वे इसमें बहुत ही खूंखार नजर आने वाली हैं। टीजर में उन्हें भी वायलेंस करते हुए देखा जा सकता है।

सबसे चौंकाने वाला किरदार होगा संजय दत्त का, जो इस फिल्म में बहुत ही खतरनाक लगे हैं। एक ऐसा विलेन जो शांत और पागल दोनों हैं। उन्हें देखकर 'एनिमल' के बॉबी देओल की याद आ जाती है। कहा जा रहा है कि आपने उन्हें इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा होगा। टीजर में उनकी परफॉर्मेंस भी रोंगटे खड़े कर देने वाली दिख रही है। इसकी स्टोरी और स्क्रीनप्ले साजिद नाडियाडवाला ने लिखा है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। 'बागी 4' जबरदस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और अराजकता से भरी फिल्म होगी। 'बागी 4' आने वाली 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर बॉलीवुड डेब्यू

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के एक्शन सीन में एक नया तूफ़ान आ गया है, और वो हैं मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज़ संधू। बहु-प्रतीक्षित फ़िल्म 'बाघी 4' का टीज़र रिलीज़ होते ही वायरल हो गया है, जिसमें हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर अवतार देखकर दर्शक हैरान हैं। अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए मशहूर हरनाज़ ने इस टीज़र में अपनी इमेज को पूरी तरह बदल दिया है। रोमांटिक एंट्री की बजाय, वह स्क्रीन पर सीधे हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन करते हुए दिखाई देती हैं। हड्डियां हिला देने वाले हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट से लेकर हथियारों के साथ निंजा-स्टाइल एक्शन तक, उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह इस फ़िल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमारे जीवन में मिलने-जुलने, साथ रहने, बातें करने, घूमने या भोजन करने वाले हजारों लोग होते हैं, लेकिन अंत में साथ जाने वाले कितने मिलेंगे? जीवन में यह समझना जरूरी है कि हम साथ हैं, पर हमारा अस्तित्व अलग है और इस सच्चाई को ध्यान में रखकर जिएंगे तो किसी भी परिस्थिति में स्वयं को नियंत्रित कर सकेंगे।

प्रभु भक्ति निस्वार्थ और निष्काम होनी चाहिए : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट स्थित जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि यदि अपने ऊपर संकट विपत्ति परेशानी का पहाड़ टूट पड़े तो, हमें प्रभु के सामने प्रार्थना करते हुए संकट से मुक्ति के लिए अधीर दीनहीन होकर प्रार्थना नहीं करनी चाहिए, बल्कि उसे सहने और मुकाबला करने की क्षमता मेरे में जागृत हो ऐसा आशीर्वाद मांगना चाहिए। प्रभु के सामने गिड़ गिड़ाना, अपने आत्म बल को कमजोर करना, कर्तव्य से दूर होना ,आत्म बल को तोड़ना है और यह सबसे बड़ा पाप है। उन्होंने कहा कि प्रार्थना में अनुनय विनय करें हे प्रभु आप जैसी शक्ति पराक्रम और पुरुषार्थ मेरे अंदर भी मौजूद हो ,उसको प्रकट करके समस्या को ललकार करके मुकाबला करते हुए उसको पराजित कर सफलता का झंडा लहराऊ। मुनि कमलेशजी ने बताया कि रामकृष्ण महावीर बुद्ध सभी महापुरुष अपने ऊपर आने वाले संकट की परवाह न करते हुए संघर्ष करते हुए सफलता प्राप्त की, उनके आदर्शों का पालन करना सच्चे अर्थों में धर्म आराधना करना है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि प्रभु के सामने कोई याचना करना, मांग करना, भिखारी बनने के समान है। यदि वह सभी को दे देते तो दुनिया में कोई गरीब नहीं रहता और छीन लेते तो कोई अमीर नहीं होता। कर्मों पर विश्वास करना चाहिए हम अच्छे कामों का फल अपने ऊपर ले लेते है और बुरे कर्मों का फल भगवान को दे देते है यह अज्ञानता है। जैन संत ने कहा कि लालच के लिए भगवान को याद करना सौदेबाजी है। स्वार्थ के लिए याद करना भक्ति किसी श्रेणी में नहीं आता है और भय मुक्ति के लिए शरण में जाना आत्मिक शक्ति का जनाजा निकालना के समान है। बिन मांगे मोती मिले मांगे मिले ना भीख हमें यह नहीं भूलना चाहिए परमात्मा किसी से लेता है। उसके ज्ञान मार्ग से बुरे कर्मों से बचे तपस्या साधना से कर्मों की निर्जरा करें। अंत में मुनि श्री ने कहा कि यश, कीर्ति, प्रसिद्धि की कामना भक्ति मार्ग के लिए भक्ति करना आत्मा और परमात्मा के साथ धोखा है। आत्मा के साथ कर्मों का बंधन करना है। प्रभु भक्ति निष्काम को निस्वार्थ होनी चाहिए। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली से 40 जनों का प्रतिनिधि मंडल मुनि कमलेशजी की सेवा में 13 अगस्त को उपस्थित होगा। संतश्री कौशल मुनिजी व अक्षत मुनिजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मानव जीवन को सार्थक करना चाहिए : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चातुमासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने प्रभु परमात्मा ने उत्तर अध्ययन के चौदहवें अध्ययन में कहा कि जो रात्रियाँ बीत जाती हैं वह लौटकर कभी भी नहीं आती हैं। देवभद्र और यशोभद्र का वर्णन चौदहवें अध्ययन में आता है। हमारा जीवन क्षणभंगुर है, हम कल श्वास ले पायेंगे या नहीं यह बात हमें पत्ता नहीं। जीवन हमें इतना अच्छा मिला है उसे हमें सार्थक करना चाहिए। यह जीवन दोबारा मिलने वाला नहीं हैं। हमारा जीवन को तीन घंटे का शो है। पहला बचपन, दूसरा जवानी और तीसरा बुढ़ापा। बाद में सब कुछ जाता ही है। वापस कभी लौटकर नहीं आता। साध्वी सर्वज्ञाश्री ने कहा कि हमारे असली घर कीपहचान के लिए चार प्रकार के गृह बताएं है , स्वगृह, परगृह, बेगृह और काराग्रह ।हमें शाश्वत घर को प्राप्त करना है। साध्वी ऋषिताश्रीजी ने आने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संचालन संघ के सचिव सुनील जैन ने किया।

लगन, परिश्रम और संघर्ष से बनता है इतिहास : आचार्य विमलसागरसूरी

तपस्वियों की निकली विशाल शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन रोड स्थित पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका के खचाखच भरे विशाल पंडाल में दो दिवसीय तपोत्सव के प्रतिज्ञा समारोह को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि संकल्प का बल ही मनुष्य जीवन की सफलता का मूलमंत्र है। जीवन में जिस मार्ग पर आगे बढ़ना हों, सबसे पहले उसके प्रति अपना दृढ़ संकल्प होना चाहिए। मन से कमजोर, विचलित, भयभीत या संदेहशील लोग कभी ध्येय तक नहीं पहुंच सकते। इतिहास बनाने के लिए तो पक्का फैसला करना पड़ता है। दुविधाओं में रहने वाला व्यक्ति न घर का रहता है, न घाट का। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एक बार फैसला करके आगे बढ़ने के बाद पीछे मुड़कर देखना नहीं होता, क्योंकि पलट-पलट कर देखने वाले कभी इतिहास नहीं बना सकते। मनुष्य का संकल्प ही सर्वाधिक शक्तिशाली और प्रभावशाली होता है। वह देवत्व को धरा पर उतार सकता है, चमत्कार का सृजन कर सकता है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने से पहले अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। आध्यात्मिक साधना की सिद्धि हो या संसार की कोई भौतिक सफलता, संकल्प के बिना कभी कुछ नहीं हो सकता। नई पीढ़ी में संकल्प की गहरी कमी स्पष्ट दिखाई देती है। वह तत्काल सफलता और परिणाम चाहती है। लगन, परिश्रम और सतत संघर्ष करना उसे अच्छा नहीं लगता। वह इस्पात की तरह प्रहार सहने के बजाय कांच की तरह टूट कर बिखर रही है। मन और स्वभाव की इस नीति-रीति को बदलना होगा। अपनी मनस्थिति को हर संघर्ष और परिणाम के लिए तैयार करना चाहिए। जैनाचार्य ने कहा कि गदग में 300 साधकों ने पहली बार इतना बड़ा तप किया है। इनमें करीब 75 तपस्वी ग्यारह से बीस वर्ष आयु के हैं। इनकी काया तो कमजोर हैं, फिर भी अपने मन के दृढ़ संकल्प के बलबूते पर इन्होंने निरंतर निराहार आठ, नौ, ग्यारह, पंद्रह, सोलह और तीस उपवास कर सबको आश्चर्यचकित कर दिया है। संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने बताया कि प्रतिज्ञा समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सभी तपस्वियों की खूब अनुमोदना की। मुंबई के संगीतकार हेनी और चेन्नई की गायिका श्वेता गांधी ने भजनों की प्रस्तुति दी।

गणि पद्मविमलसागरजी ने मंत्रोच्चार पूर्वक दैविक मातृशक्तियों का पूजन-विधान करवाकर सभी तपस्वियों को आखरी उपवास का संकल्प करवाया। सचिव हरीश गादिया ने बताया कि नव विवाहिताओं की तपस्या के निमित्त पीहर पक्ष ने गोद भराई की रस्म संपन्न की। इससे पूर्व महावीर सोसाइटी से तपस्वियों की भव्य शोभायात्रा निकली गयी। विनोद फोलामुथा ने बताया कि तीसरा तपोत्सव पर्युषण महापर्व के दौरान आयोजित होगा।

धन से चातुर्मास हो सकता है, लेकिन धर्म नहीं हो सकता : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी ने प्रवचन में कहा कि हमारे जीवन में मिलने-जुलने, साथ रहने, बातें करने, घूमने या भोजन करने वाले हजारों लोग होते हैं, लेकिन अंत में साथ जाने वाले कितने मिलेंगे? जीवन में यह समझना जरूरी है कि हम साथ हैं, पर हमारा अस्तित्व अलग है और इस सच्चाई को ध्यान में रखकर जिएंगे तो किसी भी परिस्थिति में स्वयं को नियंत्रित कर सकेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे ट्रेन यात्रा में सहयात्री अपने-अपने स्टेशन पर उतर जाते हैं, वैसे ही जीवन में रिश्ते भी अस्थायी होते हैं। इन्हें स्थायी सच मानना दुःख का कारण बनता है, जबकि जो लोग इस सच्चाई को समझते हैं, वे त्याग मार्ग पर आगे बढ़ पाते हैं। मुनिजी ने कहा कि आज हम छोटी-छोटी सुविधाओं के कारण धर्म से दूर हो रहे हैं। देर से ऑफिस आने के कारण रात्रि-भोजन त्याग नहीं पाते, प्रवचन सुनने नहीं आते क्योंकि स्थानक दूर है। धन से चातुर्मास हो सकता है, कार्य हो सकते हैं, लेकिन धर्म नहीं हो सकता।

परदेशी की कहानी को आगे बढ़ाते हुए बताते है कि चित्त सारथी ने धर्म सुनकर 12 व्रतों का श्रावकत्व इसलिए स्वीकार किया क्योंकि वह आकांक्षारहित और संतोषी बन गया था। जितनी अधिक अपेक्षा (एशिलींरींळेप) होगी, उतना अधिक दुःख मिलेगा। कम अपेक्षा से अधिक आनंद, अधिक अपेक्षा से कम आनंद मिलता है - यही जीवन का सत्य है। रिश्तों में अत्यधिक अपेक्षाएं प्रेम को खत्म कर देती हैं, इसलिए बिना अपेक्षा के संबंध निभाना ही सच्चा सुख है।संतश्री ने कहा कि रिश्तों में हम जितनी अधिक अपेक्षाएँ रखते हैं, हमें उतना ही अधिक दुःख मिलता है। यदि अपेक्षाएँ कम रखेंगे तो दुःख भी कम होगा। जितनी अधिक अपेक्षा होगी, उतना ही अधिक तनाव बढ़ेगा। किसी से भी कभी अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। यदि कोई हमारे लिए कुछ करे तो भी ठीक और न करे तो भी ठीक। जब हमें किसी से कोई अपेक्षा न हो और फिर भी कुछ अच्छा मिल जाए, तो उसकी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। लेकिन यदि अपेक्षा रखी जाए और वह पूरी न हो, तो दुःख होना तय है। इस अवसर पर कार्याध्यक्ष मीठालाल पगारिया, अजीत पटवा, सुनील तालेड़ा, सुनील बाफना आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन संतोष पगारिया ने किया।

हृदय की पवित्रता ही भगवान की अखण्ड पूजा : संत वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि प्रभु की भक्ति श्रद्धा व भक्ति भाव से करें, क्योंकि भक्ति की शक्ति अपार है। वीतराग प्रभु के प्रति असीम श्रद्धा भक्ति रखते हुए भक्त जो भी पूजा भक्ति, गुण कीर्तन, नाम स्मरण पाठ करता है, वह मनुष्य जन्म का पहला फल है। हमें भी परमात्मा को प्राप्त करने की प्यास जगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप में परमात्मा को प्राप्त करने की वास्तविक प्यास जग जाएगी उस दिन प्रभु हमसे दूर नहीं होंगे। उस समय साधक अपना सब कुछ देकर भी उस अमृत तुल्य परमात्मा को प्राप्त करने में तन-मन से लग जाएगा। ज़रूरत है बस प्रभु को सच्चे अर्थों में प्राप्त करने की चाह और प्यास लगने की। उन्होंने कहा कि भक्ति भारतीय संस्कृति की एक आदर्श विशेषता है। परमात्मा की भक्ति करने से हमारा मन प्रसन्न हो जाता है। भक्ति का मार्ग सभी धर्म दर्शनों में सर्व श्रेष्ठ बतलाया गया है। निष्कपट भाव से प्रभु के प्रति समर्पित होना ही अखण्ड पूजा भक्ति है। भगवान के नाम में भी बड़ी शक्ति है। दुनिया के नाम झूठे हो सकते हैं लेकिन प्रभु का नाम सच्चा है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति, उपासना, पूजा, अर्चना आदि करने से सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति होती है। इतिहास में मीरा, तुलसी, रैदास, चंदन बाला, सेठ सुदर्शन, भक्त प्रह्लाद की भक्ति की महिमा आज भी जग में प्रसिद्ध है और सब धर्मों में आदर भाव से स्मरण याद की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि हृदय की पवित्रता ही भगवान की अखण्ड पूजा है। प्रारंभ में रूपेशमुनि जी ने भजन प्रस्तुत किए। उपप्रवर्तकश्री पंकज मुनि जी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया। संचालन राजेश मेहता ने किया।

गुण-दर्शन से आती है समता और शांति : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सनगार्डन में रविवार को रक्षा बंधन पर प्रवचन देते हुए साध्वी आगमश्री जी ने कहा कि गुण-दर्शन से आती है समता और शांति। प्रत्येक मनुष्य के जीवन में शुभ एवं अशुभ दोनों प्रकार की धाराएँ प्रवाहित होती हैं। यह हमारे ऊपर है कि हम अपने विचारों और भावनाओं की दिशा किस ओर मोड़ते हैं। जीवन में हमें सदैव शुभ विचारों की धारा में प्रवाहित होना चाहिए और अशुभ विचारों की ओर अपने मन को मोड़ने से बचना चाहिए। हर मनुष्य के भीतर गुणों और अवगुणों, दोनों का भंडार होता है। यह सोचना गलत है कि किसी व्यक्ति में केवल गुण ही गुण होते हैं या केवल अवगुण ही अवगुण होते हैं।

संसार में कोई भी पूर्णतः निर्दोष नहीं है, और कोई भी पूर्णतः दोषयुक्त नहीं है। अतः हम दूसरों के केवल गुणों को ही स्वीकार करें और उनके दोषों को त्याग दें। ङ्गसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जब हम दूसरों के दोषों की चर्चा छोड़कर उनके गुणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तब हमारा मन भी पवित्र और प्रसन्नचित्त रहता है, जैसे मधुमक्खी सैकड़ों फूलों में से केवल मधु चुनती है, वैसे ही हमें भी मनुष्य के भीतर से केवल सद्गुणों को ही ग्रहण करना चाहिए। सभा में बाबूलाल बाफना ने 15 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। संघ मंत्री सज्जन बोहरा ने आगामी स्वतंत्रता दिवस एवं कृष्ण जन्माष्टमी के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

विभिन्न समाज प्रतिनिधियों ने 'गौ-राष्ट्र यात्रा' का मदुरै में किया स्वागत

मदुरै से रामेश्वरम की ओर जाएगी यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। गौमाता के संरक्षण और गौ-आधारित अर्थव्यवस्था के पुनरुत्थान के महासंकल्प के साथ निकली 'गौ राष्ट्र यात्रा' ने मंगलवार को तमिलनाडु के मदुरै में एक महत्वपूर्ण पड़ाव दर्ज किया। जीव-जंतु कल्याण एवं कृषि शोध संस्थान (-थ-ठख) के अध्यक्ष भारत सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में यात्रा का यहाँ भव्य स्वागत हुआ। मीनाक्षी मंदिर में दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद, यह यात्रा अपने अंतिम गंतव्य, रामेश्वरम की ओर बढ़ने के लिए तैयार है।

मंदिर से गौ सेवा का संदेश : आस्था और अर्थव्यवस्था का संगम

मदुरै पहुँचकर गौ राष्ट्रयात्रा की टीम ने सर्वप्रथम विश्व प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर में दर्शन किए और अपने अभियान की सफलता के लिए प्रार्थना की। इसके बाद, रामदेव मंदिर में टीम का गर्मजोशी से स्वागत और सत्कार किया गया। इस अवसर पर भारत सिंह राजपुरोहित ने कहा कि हमें अपनी तरक़्क़ी के साथ-साथ गौ माता और धरती माता को भी समय देना चाहिए। उन्होंने गौ सेवा के एक नए दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हुए कहा, गाय को आस्था से अर्थव्यवस्था में जोड़ना है। उन्होंने किसानों और गौपालकों से गौ-आधारित खेती को अपनाने का आह्वान किया ताकि गायों का संरक्षण हो सके और उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो सके। इस कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों और संगठनों के सम्मानित लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने गौ राष्ट्र यात्रा के प्रयासों की सराहना की। इनमें जैन समाज, राजस्थान सेवा समाज, मदुरै नॉर्थ इंडियन वेलफेयर एसोसिएशन, राजपुरोहित समाज, राजपुरोहित युवा शक्ति, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता, जाट समाज, पटेल समाज और सर्व समाज के प्रतिनिधि शामिल थे। सभी ने मिलकर यात्रा की टीम का सम्मान किया और उनके मिशन के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

ज्ञातव्य है कि गौ-राष्ट्र यात्रा' भारत में देसी गायों के महत्व को पुनः स्थापित करने, गौ-आधारित कृषि और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने तथा गौपालकों व किसानों के स्वाभिमान को जगाने के लिए ऋषिकेश से रामेश्वरम तक की एक राष्ट्रव्यापी पदयात्रा है। यह भारतीय संस्कृति और कृषि परंपराओं के पुनरुत्थान का एक सशक्त माध्यम है।

आगम में हर समस्या का समाधान है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि यह शरीर किराए का मकान है और किराए के मकान को एक न एक दिन खाली करना ही पड़ता है। बुद्धिमान वह होता है जो अपना खुद का मकान बना लेता है।

प्रत्येक भवी आत्मा का स्थाई निवास स्थान मात्र मोक्ष है। बाकी तो मात्र भ्रमण है और भ्रमण करने वाला यात्री रास्ते में अपना घर नहीं बनाता है। प्रत्येक जीव की स्वतंत्र सत्ता होती है और जैसे भोर होते ही पंछी उड़ जाता है वैसे ही श्वास की डोर टूटते ही हमारा हंसा उड़ जाएगा और देह रह जाएगी।

प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रत्येक जीव के अंतर में महावीरत्व छिपा है। श्रावक को अपने नियम और कर्तव्य मालुम होने चाहिए। यह विडंबना है कि श्रावक साधु की समाचारी(नियमों) की जानकारी रखता है और खुद के प्रति अनभिज्ञ रहता है। जब नींव ही खोखली होगी तो हम महावीर जैसे वटवृक्ष कैसे बनेंगे।

आम से खास, साधारण से असाधारण, जन से जिन और शिशु से सिद्ध बनने का जुनून है तो हमें आगम की शरण में आना ही होगा। आगम में हर समस्या का और हर जिज्ञासा का समाधान है। तरुणा सियाल के 15 उपवास की तपस्या पूर्ण करने पर संघ के उपाध्यक्ष उत्तमचंद तातेड़ ने सम्मान किया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

उपकारी के प्रति कृतज्ञ नहीं होना ही सबसे बड़ा पाप है : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिनका थोड़ा भी उपकार है उसे भूलना नहीं चाहिए। मनुष्य को तीन बातें कर्ज, मर्ज और फर्ज को हमेशा जीवन में याद रखना चाहिए।

जिनका हम पर कर्जा है उसको नहीं भूलना चाहिए। भूलने वाला मर के नर्क में ही जाता है। जो आप के बुरे वक्त पर साथ देता है उसे नहीं भूलना चाहिए। चोरी करने वाले कभी सुखी जीवन नहीं जी पाते हैं। जीवन में कभी किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। इस दुनिया में कृतज्ञ नहीं होने से बड़ा कोई पाप नहीं है। आज के समय में जब बुरा वक्त होता है तो लोग मदद मांग लेते हैं। लेकिन समय सही होने पर मदद देने वाले को ही भूल जाते हैं। ऐसा करके अपने वर्तमान के साथ सभी भवों को मानव व्यर्थ कर लेता है। संतश्री ने कहा कि हर चीज की अपनी वैल्यू होती है। कोई छोटा बड़ा नहीं होता है। सब अपने आप में कीमती हैं। पेड़ का तिनका भी कभी न कभी काम आता है, इसलिए कहते हैं कि किसी को भी बेकार नहीं समझना चाहिए। हर व्यक्ति की अपनी अलग क्वालिटी है।

जीवन जब तक रहेगा तब तक समस्या आती ही रहेगी। मां बाप के प्रति मनुष्य को आदर व सम्मान रखना चाहिए। जिसने आपको दुनिया दिखाई है उनके प्रति सदैव उपकारी रहना चाहिए। संसार में रह कर संस्कारी रहना बहुत जरूरी है। ऐसा करके मनुष्य अपने जीवन को सफल कर सकता है। सभा में कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

धर्म में संयमी जीव शक्कर के जैसे घुल-मिल जाता है : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि इस जीवन में मनुष्य तीन प्रकार के होते हैं। पहले पत्थर जैसे यानी जो पानी में डूबने पर गीले तो हो जाते हैं लेकिन वापस बाहर निकलने पर सुख जाते हैं। जिस तरह पत्थर पानी को नहीं सोख सकता है, उसी प्रकार धर्म भी उस मनुष्य के भीतर नहीं उतर पाता है। दूसरे प्रकार के मनुष्य कपड़े के जैसे होते हैं जिसे पानी में डुबोने पर गीले तो होते हैं और सूखने में थोड़ा टाइम लगता है। इसी प्रकार धर्म भी इस तरह के मनुष्य में थोड़ी देर रहता है बाद में धर्म का रंग उतर जाता है। तीसरे प्रकार के मनुष्य शक्कर के जैसे होते हैं, इस प्रकार के मनुष्यों में धर्म भी उनके जीवन में पूरी तरह उतर जाता है और धर्म के प्रति आस्था और समर्पण भी साफ तौर पर झलकता है।

दर्शन व सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मयूर विनायक सेवा ट्रस्ट द्वारा बापूजी नगर स्थित अयप्पा स्वामी देवस्थान में आयोजित 354वें श्री राघवेंद्र स्वामी आराधना उत्सव कार्यक्रम में महेंद्र-सुरक्षा मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.